सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-04
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, सोमवार, 08 अप्रैल 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
पेज-4

आज का विचार

सही वक्त पर पिये गए
कडवे घुंट अक्सर जिंदगी
मीठी कर दिया करते हैं।

मप्र में आगाजः लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री पहली बार पहुंचे मध्यप्रदेश, महाकौशल और विंध्य को साधने की कोशिश

जबलपुर में खुली जीप पर पीएम मोदी ने किया सीएम मोहन के साथ रोड शो

भारी उमड़ी भीड़ उमड़ी, नारा लगा- देखो कौन आया, बीजेपी का शेर आया

जबलपुर। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को पहली बार मध्यप्रदेश के दौरे पर पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने जबलपुर में रोड शो किया। जबलपुर लोकसभा सीट पर रोड शो के माध्यम से पीएम मोदी ने महाकौशल और विंध्य प्रदेश को साधने की कोशिश की। रोड शो के दोनों तरफ भारी भीड़ मौजूद थी। रोड शो कटंगा तिराहे से शुरू हुआ। पीएम से साथ खुली जीप में सीएम मोहन यादव और जबलपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी आशीष दुबे मौजूद थे।

पीएम मोदी के रोड शो में लोगों ने जमकर नारेबाजी की- देखो-देखो कौन आया, बीजेपी का शेर आया। इसके साथ ही जिंदाबाद और जय श्रीराम के नारे सुनाई दे रहे थे। सड़क के दोनों तरफ पीएम की एक झलक पाने को लोग बेताब दिखे। लोगों ने अपने घरों की छत से फूल बरसाए और दीपक जलाकर पीएम मोदी का संस्काधानी में स्वागत किया। भाजपा ने दावा किया है कि पीएम मोदी के रोड शो में करीब 50 हजार से ज्यादा लोग शामिल रहे। इस रोड शो के लिए बीजेपी ने भव्य तैयारी की थी। बीजेपी के सीनियर नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं के साथ लोगों के घर पहुंचकर पीले चावल बांटे थे।

साधु-संतों ने मंत्रोच्चार कर बरसाए फूल

जबलपुर में रोड शो के रूट में साधु-संतों के लिए भी एक मंच बनाया गया था। पीएम मोदी जब यहां पहुंचे तो साधु-संतों ने मंत्रोच्चार के बीच उन पर फूल बरसाकर स्वागत किया। पीएम मोदी ने भी हाथ जोड़कर अभिवादन किया और आशीर्वाद लिया। शाम को साढ़े छह बजे के बाद कटंगा से रोड शो शुरू हुआ, जो लगभग पौन घंटे चला। इस दौरान भारी सुरक्षा व्यवस्था रही।

एक हाथ में चुनाव चिन्ह, दूसरे हाथ से अभिवादन

रोड शो के दौरान पीएम एक हाथ में बीजेपी का चुनाव चिन्ह कमल का फूल थामें दिखे। वहीं, दूसरे हाथ से वे जनता का अभिवादन कर रहे थे। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान सड़क किनारे मंच टूटने का भी मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि रोड शो के दौरान गोरखपुर में लगा एक स्वागत मंच टूट गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। कहा जा रहा है कि मंच पर क्षमता से अधिक लोग चढ़ गए थे, जिसकी वजह से मंच गिर गया।

महाकौशल और विंध्य पर फोकस

पीएम मोदी ने जबलपुर से मप्र में लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज किया है। राज्य में लोकसभा की 29 सीटें हैं और यहां चार चरणों में मतदान होना है। इस यात्रा को सियासी तौर पर काफी अहम माना जा रहा है। जबलपुर वह जिला है, जो पूरे महाकौशल के साथ विंध्य तक अपना प्रभाव रखता है।

केवल रोड शो, जनसभा नहीं

पीएम मोदी का जबलपुर में केवल रोड शो हुआ। यहां पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित नहीं किया। रोड शो के अंत में पीएम मोदी रथ से उतरे और पार्टी नेताओं के साथ एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। 9 अप्रैल को पीएम मोदी बालाघाट में जनसभा को संबोधित करेंगे। बालाघाट लोकसभा सीट भी महाकौशल रीजन में आती है। जबलपुर लोकसभा सीट पर पहले फेज में 19 अप्रैल को वोटिंग होनी है।

पश्चिम बंगाल के भूपति नगर विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों की कार्रवाई के बाद राज्य सरकार का एक्शन, एनआईए ने भी दी सफाई

एनआईए अफसरों पर यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ का केस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपति नगर विस्फोट मामले में जांच करने गई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पर हमले के एक दिन बाद रविवार को पुलिस ने एनआईए अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया था कि रात के अंधेरे में एनआईए की टीम ने महिलाओं पर हमला किया था। इसके बाद विस्फोट के मामले में गिरफ्तार तृणमूल नेता मनोब्रत जना की पत्नी मोनी जना की शिकायत के आधार पर पश्चिम बंगाल पुलिस ने एनआईए अधिकारियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। महिला ने अधिकारियों पर मारपीट, बदतमीजी और घर में तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। एनआईए अधिकारियों के खिलाफ भूपतिनगर पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 325, 34, 354, 354(बी), 427, 448, 509 के तहत शिकायत दर्ज कराई गई है। हालांकि इस पर एनआईए ने अपनी सफाई भी दी है।

सीएम ममता ने दी यह चेतावनी- बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एनआईए की टीम पर हमले को लेकर कहा है कि हमला एनआईए पर नहीं, बल्कि महिलाओं पर हुआ है। एनआईए अफसरों ने रात में रेड क्यों की? क्या उनके पास पुलिस की परमिशन थी? महिलाओं ने वैसा ही बर्ताव किया, जैसा रात में किसी भी अनजान व्यक्ति के आने पर किया जाता। ममता ने कहा कि एनआईए लोकसभा इलेक्शन से ठीक पहले दिसंबर 2022 के मामले में लोगों को क्यों गिरफ्तार कर रही है? क्या भाजपा को लगता है कि वे हर बूथ एजेंट को गिरफ्तार कर लेंगे। एनआईए की मदद लेकर भाजपा गंदी राजनीति कर रही है।

यह है मामला- भूपतिनगर में 3 दिसंबर 2022 को एक घर में बम ब्लास्ट हुआ था, जिसमें घर की छत उड़ गई थी। हादसे में तीन लोगों की जान गई थी। पिछले महीने एनआईए ने इस मामले में पूछताछ के लिए तृणमूल कांग्रेस के आठ नेताओं को समन भेजकर 28 मार्च को न्यू टाउन में एनआईए ऑफिस बुलाया था। वहीं,टीएमसी ने इस ब्लास्ट के लिए भाजपा को दोषी ठहराया था। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा था भाजपा ने टीएमसी नेताओं की एक लिस्ट एनआईए को दी है। इसके आधार पर एनआईए इन नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है।

एनआईए ने दी यह सफाई- राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए)ने अपने पर लग रहे आरोपों पर सफाई दी है। एनआईए ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा है कि अधिकारियों पर हमले के बाद जो भी आरोप लगाए जा रहे हैं वे दुर्भावना पूर्ण और निराधार हैं। एनआईए ने अपने आधिकारिक बयान में गैरकानूनी कार्यों के आरोपों का खंडन किया और पूरे विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया। एनआईए ने कहा है कि उसकी कार्रवाई प्रामाणिक, वैध और कानूनी रूप से अनिवार्य थी, क्योंकि यह बमों के निर्माण से संबंधित जघन्य अपराध की चल रही जांच का हिस्सा था। इसी सिलसिले में पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपति नगर थाना अंतर्गत नरूबिला गांव में छापेमारी की थी।

एजेंसी ने कहा कि हमला एनआईए को उसके वैध कर्तव्यों को पूरा करने से रोकने का प्रयास था। एजेंसी ने कहा है कि स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में और सीआरपीएफ द्वारा प्रदान किए गए सुरक्षा घेरे में पांच स्थानों पर तलाशी ली गई, जिसमें महिला कांस्टेबल भी शामिल थीं। सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद गिरफ्तारियां की गईं।

वादा निभाओ यात्रा... दिग्विजय की यात्रा में अश्लीलता परोसने का आरोप

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और राजगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह मतदाताओं को साधने के लिए वादा निभाओ यात्रा निकाल रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो के जरिये बीजेपी नेताओं ने दिग्विजय सिंह को घेर लिया है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि मंच पर दिग्विजय सिंह की यात्रा के पोस्टर लगे हैं। उसी जगह पर कुछ लोग डांसर के साथ चिपक कर नाच रहे हैं। हालांकि मृदुभाषी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

इस यात्रा में भाजपा ने अश्लीलता परोसने को लेकर निशाना साधा है। मंत्री विश्वास सारंग ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर लिखा कि यह है कांग्रेस और दिग्विजय सिंह की महिलाओं के प्रति वादा निभाओ यात्रा! राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह द्वारा चाचोड़ा विधानसभा क्षेत्र के सिंगापुरा गांव में वादा निभाओ यात्रा के दौरान इस प्रकार के आयोजन कर समाज में अश्लीलता परोसी गई। यह कांग्रेस की महिलाओं के प्रति दुर्भावना को दशार्ता है, जो बेहद शर्मनाक है।

वहीं, भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने भी वीडिया शेयर कर सोशल मीडिया पर लिखा कि यह है कांग्रेस का असली चरित्र और नारी सम्मान की हकीकत...। सोशल मीडिया पर वायरल यह वीडियो खुद बता रहा है, दिग्विजय सिंह की पदयात्रा की हकीकत...भीड़ जुटाने के लिए बेशर्मी की सभी हदें पार कर दी... कांग्रेस के स्टार प्रचारक की यह है स्थिति...। दरअसल वीडियो में दिग्विजय सिंह की वादा निभाओ पदयात्रा का पोस्टर लगा है। इसमें दिग्विजय सिंह और उनके बेटे जयवर्धन सिंह का फोटो लगा है। इसके सामने कुछ लोग एक महिला के साथ डांस करते दिखाई दे रहे हैं। कथित तौर पर यह कहा जा रहा है कि यात्रा में भीड़ जुटाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा अश्लील नृत्य कराया जा रहा है। जिसका एक विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र की चाचौड़ा विधानसभा क्षेत्र के सिंगापुरा गांव का बताया जा रहा है।

पॉलिटिकल स्ट्रैटजिस्ट प्रशांत किशोर की सलाह

चुनाव में प्रदर्शन खराब रहे तो राहुल गांधी ब्रेक लें

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव में अगर कांग्रेस को उम्मीद के अनुसार नतीजे नहीं मिलते तो राहुल गांधी को राजनीति से ब्रेक लेने पर विचार करना चाहिए। पॉलिटिकल स्ट्रैटजिस्ट प्रशांत किशोर ने एक इंटरव्यू में यह बात कही। प्रशांत ने कहा- राहुल गांधी कांग्रेस को जिताने के लिए पिछले 10 साल से असफल प्रयास कर रहे हैं। इसके बावजूद वे न तो राजनीति से अलग हुए और न ही किसी और को पार्टी का चेहरा बनने दिया। मेरी नजर में यह लोकतांत्रिक नहीं है। प्रशांत ने कहा- जब आप (राहुल गांधी) पिछले 10 साल से एक ही काम कर रहे हैं और उसमें कोई सफलता नहीं मिली है, तो ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है। आपको इसे किसी और को पांच साल के लिए करने देना चाहिए। आपकी मां ने ऐसा ही किया था। प्रशांत ने कहा- पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी ने क्या किया। 1991 में उन्होंने राजनीति से दूरी बना ली। कांग्रेस की कमान पीवी नरसिम्हा राव को दे दी। उसका रिजल्ट आप सबको पता है।

प्रशांत ने राहुल को लेकर कहा कि कांग्रेस की लड़ाई उत्तरप्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेश में है, लेकिन उनके नेता मणिपुर और मेघालय का दौरा करते हैं। अगर आप यूपी, बिहार और मध्यप्रदेश में नहीं जीते, तो वायनाड से जीतने का कोई फायदा नहीं है। अकेले केरल जीतकर आप देश नहीं जीत सकते। अमेठी छोड़ देने से भी गलत संदेश जाएगा। प्रशांत ने प्रधानमंत्री मोदी का उदाहरण देते हुए कहा- मोदी ने 2014 में अपने गृह राज्य गुजरात के साथ-साथ उत्तरप्रदेश से चुनाव लड़ने का विकल्प चुना था। इसलिए, क्योंकि आप भारत को तब तक नहीं जीत सकते जब तक आप हिंदी पट्टी को नहीं जीतते या हिंदी पट्टी में मौजूदगी दर्ज नहीं कराते।

मौसम के अलग-अलग रूप- दो-तीन दिन तापमान में होगा उतार-चढ़ाव, हवा में अनियमितता व्याप्त

मध्यप्रदेश के कई जिलों में बारिश, बिजली और आंधी का अलर्ट

भोपाल/इंदौर। मध्यप्रदेश में उमस, गर्मी, बारिश और आंधी के अलग अलग रूप विभिन्न जिलों में दिखाई दे रहे हैं। अब मौसम विभाग ने इंदौर, धार, उज्जैन, देवास, शाजापुर, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, अगरमालवा, गुना, अशोकनगर और शिवपुरी जिलों में। बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिलों में। साथ ही शहडोल, भोपाल संभागों के जिलों में, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, नर्मदापुरम, हरदा में बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है। हालांकि पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम

मुख्यत- शुष्क रहा। सभी जिलों के अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं देखा गया। उज्जैन संभाग के जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहा एवं शेष सभी संभागों के जिलों में सामान्य रहा। **यहां आंधी और तेज हवा की चेतावनी**- मौसम विभाग ने शहडोल संभाग के जिलों में, राजगढ़, बुरहानपुर, खंडवा, धार, उज्जैन, अगरमालवा, गुना, पन्ना, छतरपुर और टीकमगढ़ जिलों में । नर्मदापुरम, जबलपुर संभागों के जिलों में, विदिशा, रायसेन, सीहोर, भोपाल, देवास, शाजापुर, अशोकनगर, दमोह और सागर जिलों में आंधी और तेज हवा की चेतावनी दी है।

यहां बढ़ा, यहां घटा तापमान- ग्वालियर संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान काफी कम हुआ। शहडोल संभाग के जिलों में यह काफी बढ़ा एवं शेष सभी संभागों के जिलों के तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। नर्मदापुरम, रीवा, सागर संभागों के जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहे। शहडोल संभाग के जिलों में सामान्य से विशेष रूप से अधिक रहे एवं शेष सभी संभागों के जिलों में सामान्य रहे। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस खरगोन में दर्ज किया गया तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री दतिया में दर्ज किया गया।

इंदौर में बादलों से मिली राहत- इंदौर में भी मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। रविवार सुबह से बादल छाए रहे और बीच-बीच में धूप भी खिली। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अभी दो-तीन दिन तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा। शनिवार को दिन का तापमान 36.6 (-1) डिग्री और रात का तापमान 23 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं रविवार को बादलों की वजह से दिन का तापमान 34 डिग्री रहा।

दो नए विक्षोभ आएंगे- उड़ीसा से लेकर छत्तीसगढ़, विदर्भ, कर्नाटक और मराठवाड़ा होते हुए उत्तरी तमिलनाडु तक हवा में अनियमितता व्याप्त है। वहीं एक अन्य चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण पूर्वी राजस्थान के ऊपर मध्य समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय है। 10 अप्रैल 2024 और 13 अप्रैल 2024 से दो नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रीय होने की संभावना है।

सिंगल कॉलम

महिलाओं को मौका देने में भी भाजपा ने दी कांग्रेस को मात

इंदौर। महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने की बातें तो खूब होती हैं, लेकिन जब टिकट देने की बारी आती है तो पार्टियां बगलें झांकने लगती हैं। ऐसा ही कुछ इस बार के लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिल रहा है। कहने को तो महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बातें होती हैं, लेकिन धरातल पर देखें तो टिकट वितरण में महिला प्रत्याशियों की अनदेखी साफ नजर आती है। मालवा-निमाड़ में लोकसभा की आठ सीटें हैं। भाजपा ने इन आठ सीटों में से दो पर महिला प्रत्याशियों को मौका दिया है, जबकि कांग्रेस ने एक भी नहीं। प्रदेश स्तर पर बात करें तो मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने छह पर महिला प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि कांग्रेस ने सिर्फ एक पर। जिस पार्टी की कर्ताधर्ता खुद एक महिला हो, उसी का महिलाओं से कोई सरोकार नजर नहीं आ रहा। भाजपा ने पिछले चुनाव में प्रदेश से तीन महिलाओं को प्रत्याशी बनाया था, उसने इस बार यह संख्या दोगुनी कर दी, जबकि कांग्रेस ने पिछली बार चार महिला प्रत्याशियों के मुकाबले इस बार सिर्फ एक महिला को प्रत्याशी बनाया। राजनीति में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की बातें लंबे समय से हो रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक भी पारित हो चुका है। उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव में आरक्षण लागू हो भी जाएगा। बहरहाल इस बार के लोकसभा चुनाव को देखें तो मालवा-निमाड़ की आठ लोकसभा सीटों में से भाजपा ने छह पर महिला प्रत्याशी उतारे हैं। ये सीटें हैं धार और झाबुआ। धार सीट पर पार्टी ने पूर्व सांसद सावित्री ठाकुर को मौका दिया है, जबकि झाबुआ सीट पर उसने अनीता नाहरसिंह चौहान पर दांव लगाया है। मालवा-निमाड़ में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने में भाजपा के मुकाबले कांग्रेस बहुत ज्यादा पिछड़ी नजर आ रही है। पिछली बार उसने मीनाक्षी नटराजन को अवसर दिया था, लेकिन इस बार उनका टिकट काट दिया गया प्रदेश स्तर पर भी कांग्रेस फिसड्डी महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के मामले में प्रदेश स्तर पर भी कांग्रेस भाजपा के मुकाबले फिसड्डी साबित हो रही है। प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर भाजपा और कांग्रेस अपने-अपने प्रत्याशी घोषित कर चुके हैं। यानी चुनाव परिदृश्य बिलकुल साफ है। इन 29 सीटों में से भाजपा ने छह पर महिलाओं को मौका दिया है। ये सीटें हैं- धार, झाबुआ, भिंड, सागर, बालाघाट और शहडोल हैं। इधर कांग्रेस ने प्रदेशभर में सिर्फ रीवा सीट पर ही महिला प्रत्याशी को आजमाया है। इस सीट पर पार्टी ने नीलम मिश्रा को अवसर दिया है। दो महिलाओं को राज्यसभा भी भेज चुकी है भाजपा कुछ दिन पहले हुए राज्यसभा सदस्यों के चुनाव में भाजपा प्रदेश से दो महिलाओं कविता पाटीदार और सुमित्रा वाल्मीकि को राज्यसभा भेज चुकी है। कांग्रेस इस मामले में भी पीछे रही। स्टार प्रचारकों के मामले में भी भाजपा आगे स्टार प्रचारकों में महिलाओं को शामिल करने के मामले में भी कांग्रेस भाजपा के मुकाबले पिछड़ी नजर आ रही है। उसके स्टार प्रचारकों की सूची में इक्का-दुक्का महिलाएं शामिल हैं जबकि भाजपा में कई महिला नेत्रियों को स्टार प्रचारक का दर्जा दिया है। आरक्षण लागू हुआ तो कम से कम आठ सीटें मिलेंगी देश की राजनीति में महिला आरक्षण लागू होने के बाद स्थिति बदल जाएगी। आरक्षण अधिनियम के अनुसार राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत सीटें देने का प्रविधान है। इस हिसाब से देखें तो वर्ष 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से कम से कम आठ महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी। यही स्थिति विधानसभा सीटों में भी रहेगी। प्रदेश की 229 विधानसभा सीटों में से कम से कम 76 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी।

इंदौर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के मकान तोड़ने पहुंची रिमूवल टीम

इंदौर। शहर के एमओजी लाइन में अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासन और नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में सोमवार सुबह जमकर हंगामा किया। लोग जेसीबी के आगे खड़े हो गए। लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी अक्षय बम, युवा कांग्रेस के शहर अध्यक्ष तत्सम भट्ट सहित कई कांग्रेस नेता भी वहां पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध किया। अक्षय बम इस दौरान जेसीबी पर चढ़ गए। रहवासियों ने भाजपा पार्षद भारत रघुवंशी का भी कार्रवाई के दौरान भारी विरोध किया। गौरतलब है कि प्रशासन ने तीन दिन पहले इलाके के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नोटिस जारी कर दो दिन में जगह खाली करने के लिए कहा था। इसके बाद ही अमला आज कार्रवाई के लिए पहुंचा था। उल्लेखनीय है कि सालों पहले स्वतंत्रता सेनानियों को यहां पर प्लाट अलाट किए गए थे। हंगामा बढ़ता देख प्रशासन की टीम फिलहाल कार्रवाई स्थल से लौट गई है। प्रशासन ने कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय कांति बम व अन्य पर प्रशासन की कार्रवाई में बाधा डालने पर प्रकरण दर्ज किया है। इनकी गिरफ्तारी संभव है।

शहडोल के नगर पालिका सीएमओ को इंदौर पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर । एमआइजी पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में फरार धनपुरी (शहडोल) नगर पालिका निगम के सीएमओ को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपित की 15 दिन से तलाश थी। रविवार को मोबाइल लोकेशन के आधार पर शहर के बाहरी क्षेत्र से पकड़ लिया। टीआइ मनीष लोधा के मुताबिक 23 मार्च को आरोपित प्रभात बरकड़े के विरुद्ध थाने में एफआइआर दर्ज करवाई थी। मूलतः बालाघाट निवासी युवती से बरकड़े करीब तीन वर्ष पूर्व संपर्क में आया था। युवती भंवरकुआं क्षेत्र में किराये से रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। बरकड़े ने उससे दोस्ती की और शादी का बोलकर संबंध बना लिए। शहडोल पोस्टिंग के बाद बरकड़े युवती से मिलने आता था। आरोपित युवती को इंदौर और जबलपुर सहित विभिन्न शहरों में घुमाने भी लेकर गया था। युवती द्वारा शादी का बोलने पर वह मुकर गया। पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर बरकड़े की तलाश की, लेकिन घर पर नहीं मिला। शुक्रवार को जोन-2 के डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा ने एसआइ सचिन आर्य की टीम भेजी और बरकड़े को पकड़ लिया।

ऐसा कैसा मुकाबला, भाजपा में प्रचार जोरों पर, कांग्रेस ने अब तैयारी ही नहीं की

सिटी चीफ इंदौर।
प्रत्याशियों के नामों की घोषणा के बाद अब प्रदेश में कांग्रेस भाजपा से प्रचार के मामले में भी पिछड़ती नजर आ रही है। प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी यानी इंदौर की बात करें तो यहां कांग्रेस का कोई प्रचार नजर नहीं आ रहा, जबकि भाजपा इंटरनेट मीडिया से लेकर आमने-सामने के प्रचार में बहुत आगे निकल चुकी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पिछले दिनों ही इंदौर में इंदौर क्लस्टर के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए उनकी बैठक ली, लेकिन कांग्रेस में ऐसी कोई बैठक अब तक होती नजर नहीं आई। दरअसल पार्टी का प्रचार जोर ही नहीं पकड़ पा रहा है। राष्ट्रीय स्तर का एक भी बड़ा नेता अब तक मालवा निमाड़ में नहीं आया है। ऐसे में खुद कांग्रेसी कार्यकर्ता भी समझ नहीं पा रहे कि आखिर पार्टी इस बार चुनाव को इतना हल्के में कैसे ले रही है। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में इंदौर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस 5 लाख 47 हजार मतों से पराजित हुई थी। इस बार पार्टी का चुनाव प्रचार देखकर लग रहा है कि पार्टी पांच वर्ष पहले हुई हार के सदमे से अब तक बाहर नहीं निकल सकी है। पार्टी को पहले तो प्रत्याशी तय करने में मशक्कत करना पड़ी, प्रत्याशी तय हो गए तो पार्टी को कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में मशक्कत करना पड़ रही है। इस बीच पार्टी के कई बड़े नेता कांग्रेस को छोड़कर भाजपा का दामन थाम चुके हैं। इस पलायनवादी राजनीति का सबसे ज्यादा असर पार्टी के आम कार्यकर्ता पर पड़ रहा है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि किस नेता का समर्थन करना है और किसका नहीं। इंदौर विधानसभा क्षेत्र एक की बात करें तो चार माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने यहां से संजय शुक्ला को मैदान में उतारा था। वे पार्टी के कद्दावर नेता थे। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को जोरदार टक्कर दी भी, लेकिन कुछ दिन पहले ही वे खुद कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। शुक्ला के पास जमीनी कार्यकर्ताओं की एक बड़ी फौज थी। अपने नेता के पार्टी बदलने से ये कार्यकर्ता खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

महू में जो भी विरोधी थे वे भाजपाई हो गए

लगभग ऐसी ही स्थिति महू विधानसभा क्षेत्र में भी है। महू विधानसभा क्षेत्र धार लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। चार माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने यहां से उषा ठाकुर को मैदान में उतारा था, जबकि कांग्रेस ने रामकिशोर शुक्ला को। कांग्रेस से बागी होकर अंतरसिंह दरबार भी चुनाव में उतरे थे और दूसरे नंबर पर रहे थे। दरबार की वजह से रामकिशोर शुक्ला की जमानत तक जब्त हो गई थी। फिलहाल हालत यह है कि उषा ठाकुर के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले दरबार और शुक्ला दोनों भाजपा का दामन थाम चुके हैं। अब बड़ा सवाल उठ रहा है कि इस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पास कोई बड़ा नाम ही नहीं बचा।

देपालपुर में भी यही है स्थिति

इंदौर विधानसभा क्षेत्र एक, महू जैसी स्थिति देपालपुर विधानसभा क्षेत्र की भी है। वर्ष 2018 में यह सीट कांग्रेस के विशाल पटेल ने जीती थी। उन्होंने भाजपा के मनोज पटेल को करीब नौ हजार मतों से हराया था। चार माह पहले हुए चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर विशाल पटेल पर दाव लगाया। भाजपा ने इस बार भी मनोज पटेल को मैदान में उतारा। इस बार चुनाव में भाजपा के बागी राजेंद्र चौधरी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा भरा और 38 हजार मत भी प्राप्त किए, बावजूद इसके विशाल पटेल 15 हजार मतों से हार गए। लोकसभा चुनाव में परिस्थिति बिलकुल अलग है। इस विधानसभा क्षेत्र के लगभग सभी बड़े कांग्रेसी नेता जिनमें विशाल पटेल खुद भी शामिल हैं, अब भाजपा का हिस्सा हो गए हैं। ऐसे में 2 लाख 28 हजार मतदाताओं वाले इस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पास कोई बड़ा चेहरा ही नहीं है।

निलंबन वापस लेने के अलावा कोई चारा नहीं

विधानसभा चुनाव में पार्टी के बगावत कर चुनाव लड़ने वाले और उनकी मदद करने वालों के खिलाफ मुहिम चलाते हुए कांग्रेस ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं और नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाते हुए उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया था। अब जब पार्टी अपने खुद के अस्तित्व को बचाने के लिए जद्दोजहद कर रही है, पार्टी के पास सदस्यों के निलंबन को वापस लेने के अलावा कोई चारा ही नहीं बचा है। पार्टी यह कर भी रही है। बावजूद इसके नेताओं और कार्यकर्ताओं का भाजपा की ओर पलायन थमने का नाम नहीं ले रहा।

स्कूली बच्चों को भरोसा, भारत बनेगा दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति

सिटी चीफ इंदौर।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दस वर्षों में किए कार्यों के बारे में देश के भविष्य यानी स्कूली छात्र-छात्राएं क्या सोचते हैं। स्कूली बच्चों ने एक देश-एक चुनाव, अनुच्छेद 370, तीन तलाक, आयुष्मान योजना से लेकर गुलाम कश्मीर और अक्साई चीन जैसे विषयों पर खुलकर विचार रखें। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में रविवार को महापौर द्वारा भारत भाग्य विधाता कार्यक्रम बच्चों ने देश के प्रधानमंत्री से अपनी अपेक्षाएं भी साझा की। आयोजन में 30 स्कूलों के सातवीं से नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थी शामिल थे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मुझे इस बात का पूरा विश्वास है, जैसे लकड़ी के चूल्हे को गैस के चूल्हे में बदलने का विचार निकला था, ठीक उसी प्रकार से आज इस सदन से ज़रूर ऐसा विचार निकलकर आएगा, जो देश के सर्वोच्च सदन को कोई विषय देगा। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में जो चर्चा की है, उसे आगामी समय में साकार भी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लेखिका ज्योति जैन, वरिष्ठ पत्रकार राजा शर्मा आदि मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी के भारत की बात देश के भविष्य के साथ विषय पर आयोजित कार्यक्रम में 150 से ज्यादा बच्चों ने अपने विचार रखे। डेली कालेज के छात्रों के द्वारा पीएम मोदी को विजनरी लीडर की संज्ञा देते हुए इस बात पर विश्वास भी जताया कि आगामी समय में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति होगा। चंद्रयान ने जहां देश का मान बढ़ाया, वहीं कोरोना के दौरान दुनिया की मदद कर देश को दुनिया में एक अलग स्थान दिलाया। भारत ने कोविड काल में मेडिकल क्षेत्र में आमूलचूल आविष्कार किए। दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्रों ने बात रखते हुए कहा कि वैसे तो मोदी सरकार की कई उपलब्धियां हैं, जिसे सिर्फ तीन मिनट में कहना आसान नहीं है।

मोदी सरकार ने टैक्स सिस्टम बेहतरीन करने के साथ भ्रष्टाचार को भी कम किया है। एमरल्ड हाइट्स स्कूल के छात्रों ने कहा कि भारत में आज आर्थिक विकास के साथ सामाजिक विकास हुआ है। मोदी सरकार के कई कदम है, जो भारत को सोने की चिड़िया बनाते हैं। लेखिका ज्योति जैन ने कहा कि छोटी-छोटी असफलता से निराश नहीं होना चाहिए। यह आवश्यक नहीं है कि हर चीज आपके अनुकूल हो। आप देश का भविष्य है, आप पर बड़ी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का प्रथम पुरस्कार एनडीपीएस स्कूल को प्राप्त हुआ।

भीषण जल संकट से जूझ रहे मध्य प्रदेश के कई क्षेत्र, सहेजनी होगी पानी की एक-एक बूंद

सिटी चीफ इंदौर।
रतलाम के जुलवानिया गांव में गर्मी की दस्तक के साथ बड़ा जल संकट शुरू हो गया है। गांव में पेयजल स्त्रोत के नाम पर एक हैडपंप है, इसमें भी नाममात्र का पानी आ रहा है। कभी-कभार पानी आ भी जाता है तो गांव वालों को पानी भरने अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। प्रदेश में जल संकट की स्थिति ऐसी है कि विदिशा जिले के सिरोंज से भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा को अपने क्षेत्र में पानी की कमी दूर करने के लिए एक एसडीएम के पैर तक छूने पड़ गए थे। इसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ था। जल संकट केवल रतलाम या विदिशा जिले की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे मध्य प्रदेश की समस्या है। यह स्थिति सिर्फ इस वर्ष की भी नहीं है। मध्य प्रदेश का बड़ा हिस्सा हर साल पानी के संकट से जूझता है और लोगों को पानी की तलाश में कई-कई किमी का रास्ता तय करना होता है। प्रदेश में अभी गर्मी की शुरुआत हुई ही है और जल संकट के ऐसे हालात नजर आने लगे हैं। इसकी मुख्य वजह प्रदेश के कई इलाकों में भूजल स्तर का कम होना है। पिछले 10 सालों से लगातार भूजल स्तर कम हुआ है, लेकिन इसे बढ़ाने के लिए जिम्मेदारों के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। वे आंख बंदकर भयावह स्थिति बनने का इंतजार कर रहे हैं। भूजल स्तर बढ़ाने की कवायद के तहत पिछले दिनों इंदौर में बड़े पैमाने पर %वंदे जलम्% अभियान की शुरुआत की गई है। संस्था संघमित्र व विश्वम् इसे नगर निगम के सहयोग से चलाएंगे। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में जल संकट लगातार गहरा रहा है। कई राज्य भूजल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। रिपोर्ट में ऐसा अनुमान लगाया गया है कि पूरे उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में वर्ष 2025 तक गंभीर रूप से भू-जल संकट गहरा सकता है। भारत में दुनिया की आबादी का 18 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि देश के पास सिर्फ चार प्रतिशत जल संसाधन हैं। यह आंकड़ा भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा पानी की कमी वाले देशों में से एक बनाता है। यही वजह है कि पिछले कुछ साल से गर्मी आते ही पानी भारत में सोने की तरह कीमती चीज बनती जा रही है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में बड़ी संख्या में लोग जल संकट का सामना करते हैं। पानी की जरूरत के लिए भारत की अनियमित मानसून पर निर्भरता इस चुनौती को और बढ़ा रही है। इससे लाखों लोगों का जीवन और आजीविका खतरे में हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से पानी की चुनौतियां और बढ़ी हैं। लगातार हो रहे जलवायु परिवर्तन ने पानी के स्रोतों में बाढ़ या सूखे जैसी स्थिति पैदा कर दी है। समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (सीडब्ल्यूएमआइ) रिपोर्ट के अनुसार देश के 21 प्रमुख शहरों में लगभग 10 करोड़ लोग जल संकट की भीषण समस्या से जूझ रहे हैं। वर्ष 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6000 घन मीटर थी जो वर्ष 2025 तक घटकर 1600 घन मीटर रह जाने का अनुमान है। पानी की बर्बादी और प्रदूषण के लिए हमारी आदतें जिम्मेदार हैं। उपयोग किए गए पानी का फिर से उपयोग किया जाना चाहिए। हम स्नान में भारी मात्रा में पानी बर्बाद करते हैं। ऐसे ही वाटर पार्क से लेकर गाड़ियों की धुलाई और वाशिंग मशीन में अकसर पानी का दुरुपयोग करते हैं। दुनिया के कुछ देशों में वाश बेसिन से निकले पानी को पाइप से जोड़कर शौचालय की सफाई में इस्तेमाल किया जाता है। कार या कपड़े धोने अथवा एयर कंडीशनर से निकले पानी को फिर से इस्तेमाल करने की तकनीक का विकास तात्कालिक आवश्यकता है। वर्षा जल संचयन जरूरी है। प्रत्येक छत पर वर्षा जल संचयन, इस पानी का सदुपयोग और शेष पानी को एक पाइप द्वारा जमीन के भीतर तक ले जाने से भूगर्भ जल में बढ़त होगी। जल ही जीवन है, जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, यह बातें हम बचपन से सुनते आ रहे हैं। इसके बावजूद हमारे देश या प्रदेश में कभी जल संरक्षण के बारे में कोई खास काम नहीं हुआ। जल संरक्षण को लेकर कागजों पर योजनाएं खूब बनती हैं, पर वह कभी धरातल पर नजर नहीं आती हैं। प्रतिवर्ष जल संकट पहले के मुकाबले और गहराता जा रहा है, लेकिन हम हमेशा यही सोचते हैं बस जैसे-तैसे गर्मी का मौसम निकाल जाए, बारिश आते ही पानी की समस्या दूर हो जाएगी और यह सोचकर जल संरक्षण के प्रति बेरुखी अपनाए रहते हैं।

आइटी 'पार्क' वाले शहर इंदौर को अब ज्यादा जरूरत है सिटी 'फारेस्ट' की

सिटी चीफ इंदौर।
विकास की ओर बढ़ते शहर को जरूरत शुद्ध हवा और पर्याप्त पानी की भी है। जिस शहर के अधिकांश क्षेत्रों के नाम वनस्पति के आधार पर हैं आज उसी शहर में हरियाली का ग्राफ सिमटता जा रहा है। मोरसली गली में एक भी मोरसली का पेड़ नजर नहीं आता और नौलखा में चंद पेड़ ही शेष रह गए हैं। बड़वाली चौकी, इमली बाजार, खजूरी बाजार, बियाबानी सहित कई क्षेत्र ऐसे हैं जिनका नाम वहां लगे पेड़ के कारण रखा गया, वहां अब नाम भर ही रह गया है। चुनावी मुद्दों में बिजली, पानी, चिकित्सा, भोजन, रोजगार की बात तो होती है लेकिन जिसकी बदौलत यह सब मुहैया हो सकता है उसी हरियाली-प्रकृति का ना तो वादों में जिक्र होता है और ना ही बजट में। शहर के पर्यावरण प्रहरियों की मांग है कि जनप्रतिनिधि यदि शहर का समुचित विकास चाहते हैं तो हरियाली की ओर भी उन्हें ध्यान देना होगा। बेहतर अधोसंरचना में हरियाली को भी महत्व देना होगा। आइटी पार्क वाले शहर में सिटी फारेस्ट की भी दरकार है इस बात को समझना होगा। मेट्रो के लिए तो कार्य शुरू हो गया है पर मेघों को आकर्षित करने के लिए हरियाली का ट्रैक भी बनाना होगा ।बात अगर हरियाली के महत्व की करें तो एक शोध के अनुसार भारत में प्रतिव्यक्ति 28 पेड़ ही हैं जबकि दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां यह यह संख्या 400 पार है। एक व्यक्ति को प्रतिवर्ष 740 किलो आक्सीजन की आवश्यकता होती है। एक व्यक्ति अपने पूरे जीवन में जितनी आक्सीजन लेता है उसके लिए उसे 7 पेड़ की जरूरत होती है। वेदों में भी इस बात का उल्लेख है कि एक व्यक्ति अपने पूरे जीवन में 7 पेड़ की लकड़ी का उपयोग करता है। इन दोनों ही परिप्रेक्ष्य को देखें तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में 7 पौधे लगाकर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित करना ही चाहिए। हरियाली बढ़ाने के लिए विकसित करें सिटी फारेस्ट शहर और आसपास के क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के लिए बहुत स्थान और संभावना है। शहरी क्षेत्र की बात करें तो पोलोग्राउंड, बंद हो चुकी मिल, रेसीडेंसी क्षेत्र, एमजीएम मेडिकल कालेज के होस्टल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर, शहर के आसपास देवगुराड़िया, रालामंडल और मानपुर के पास भी सिटी फारेस्ट विकसित करने के लिए पर्याप्त स्थान है। यही नहीं नजूल की जमीन पर भी हरियाली बढ़ाई जा सकती है। शहर के विकास में न तो पर्यावरण के सुधार की बात होती है और ना उसका कोई बजट बनता है। हर वर्ष लाखों पौधे शहर में लगाए जाते हैं बावजूद हरियाली बढ़ने के बजाय कम क्यों हो रही है इसपर भी ध्यान नहीं दिया जाता। असल में हरियाली के लिए कोई सुनियोजित योजना ही नहीं इसलिए पौधे लगाकर उनकी देखरेख नहीं होती और स्थिति बिगड़ती जा रही है। -पद्मश्री भालू मोंढ़े, पर्यावरणविद् टाउनशिप में उद्यान ही नहीं बल्कि सघन वन भी हों चुनाव और उसके बाद भी जनप्रतिनिधि पर्यावरण संरक्षण के अहम मुद्दे पर ध्यान नहीं देते। शहर में बढ़ती जनसंख्या के कारण इमारतों की संख्या भी बढ़ रही है और इमारत बनाने में पेड़ काटे जा रहे हैं। नियमानुसार एक पेड़ काटे जाने पर 10 पौधे लगाकर उनके पेड़ बनने तक ध्यान देना होता है जो कि नहीं हो रहा। उद्योग-धंधे बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन उनके लिए बिजली-पानी तभी मुहैया हो पाएगा जब हम पेड़-पौधे बचा पाएंगे। सांसद इस अहम मुद्दे पर हमेशा चुप रहते हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस की रिपोर्ट के अनुसार 15 फीट लंबे पेड़ की जड़ में 10 हजार लीटर पानी हमेशा मौजूद रहता है। टाउनशिप में भी उद्यान के अलावा सघन वन की सुनिश्चितता की जानी चाहिए। यदि 10 एकड़ में कोई टाउनशिप है तो आधा एकड़ भूमि केवल सघन वन के लिए ही होना चाहिए।

नेता बोले- बिना स्थानीय कार्यकर्ताओं से बातचीत के निर्णय लेना ठीक नहीं

मुरैना और ग्वालियर में प्रत्याशियों का उन्हीं की पार्टी के नेताओं ने शुरू किया विरोध

सिटी चीफ भोपाल।
विधानसभा चुनाव की हार के बाद से कांग्रेस में भगदड़ मची हुई है। पुराने नेता पार्टी छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले रहे हैं। अब ग्वालियर और मुरैना के दोनों टिकट घोषित होने के बाद कांग्रेस के ही दो नेता चुनौती बन गए हैं। ग्वालियर से पूर्व विधायक प्रवीण पाठक और मुरैना से सत्यपाल सिंह सिकरवार को प्रत्याशी बनाने का पार्टी के अंदर ही विरोध शुरू हो गया है।

मुरैन ा सीट पर सत्यपाल सिंह सिकरवार के नाम का ऐलान होने के बाद पार्टी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष और विजयपुर से विधायक रामनिवास रावत विरोध में खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि बिना स्थानीय कार्यकर्ताओं से बातचीत के निर्णय लेना ठीक नहीं है। रावत ने कहा कि बिना सोचे समझे कार्यकर्ताओं पर उम्मीदवारों को थोपना गलत है। उन्होंने प्रदेश नेतृत्व से मुरैना प्रभारी की भूमिका

से हटाने को कह दिया है। आयोजनों में शामिल नहीं होने वालों को टिकट देनो का आरोप

वहीं, दूसरी तरफ ग्वालियर लोकसभा सीट पर पूर्व विधायक प्रवीण पाठक को लेकर भी आपत्ति है। पाठक के विरोध में जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र शर्मा आवाज बुलंद कर रहे हैं। उन्होंने प्रवीण पाठक पर पार्टी के किसी कार्यक्रम में नहीं आने के आरोप लगाए। शर्मा ने कहा कि पार्टी ने ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया है जो ना तो किसी कार्यक्रम में आते हैं। ना किसी धरना प्रदर्शन में आते है। वह सीधे टिकट लेकर आ जाते है। शर्मा ने कहा कि पांच साल विधायक रहने के बावजूद वह किसी कार्यक्रम में नहीं आए। उन्होंने कहा कि इस तरह टिकट वितरण से कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी बात वरिष्ठ नेताओं तक पहुंचा दी। हालांकि, उन्होंने चुनाव के समय इस्तीफा नहीं देने की बात कही है।

लंबी प्रक्रिया के बाद घोषित हुए थे टिकट

बता दें, कांग्रेस ने मुरैना, ग्वालियर और खंडवा सीट पर लंबी प्रक्रिया के बाद टिकट घोषित किए थे। मुरैना सीट पर भाजपा की तरफ से पूर्व विधायक शिवमंगल सिंह तोमर प्रत्याशी है। शिवमंगल भाजपा नेता नरेंद्र सिंह तोमर के करीबी है। उनका मुकाबला सत्यपाल सिंह सिकरवार से होगा। सत्यपाल सिकरवार भाजपा के टिकट पर सुमावली से विधानसभा का चुनाव जीते थे। उनके पिता गजराज सिंह सिकरवार भी तीन बार विधायक रह चुके हैं। उनके भाई सतीश सिकरवार ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस से विधायक और उनके भाभी शोभा सिकरवार ग्वालियर महापौर है। वहीं, ग्वालियर सीट पर भाजपा की तरफ से भरत सिंह कुशवाह प्रत्याशी है। उनका मुकाबला प्रवीण पाठक से होगा। पाठक युवा नेता और पिछली बार कांग्रेस से ग्वालियर दक्षिण सीट से विधायक थे। 2023 के विधानसभा चुनाव में उनको हार का सामना करना पड़ा। अब पार्टी के अंदर दोनों प्रत्याशियों के विरोध से मुश्किल हो

पहले शारीरिक संबंध बनाया, फिर गला दबाकर कर दी नर्स की हत्या

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई नर्स की मौत की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। दोस्त ही कातिल निकला। पूछताछ में पता चला कि आरोपी ने नर्स को मिलने के लिए घर बुलाया था। उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में गला दबाकर हत्या कर दी। मामले को छिपाने लिए युवक ने डॉक्टर और पुलिस को बताया कि चक्कर आने से नर्स गिर गई थी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या करने और साक्ष्य छिपाने का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी जोन क्रमांक-3 रियाज इकबाल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 37 वर्षीय महिला मूलत: केरल की रहने वाली थी। वह बागसेवनिया इलाके में अपने 11 साल के बेटे के साथ रहती थी और बावड़िया कला स्थित एक निजी अस्पताल में नर्सिंग सुपरवाइजर का काम करती थी। करीब पांच साल पहले वह लालघाटी स्थित एक निजी अस्पताल में नौकरी करती थी। उस वक्त उसकी दोस्ती अस्पताल के एडमिन इंचार्ज दीपक कटियार (31) से हो गई थी। मूलत: कानपुर निवासी दीपक लालघाटी स्थित एक फ्लैट में रहता था। दोस्ती होने के कारण दीपक और नर्स का एक-दूसरे के घर आना-जाना था। बुधवार दोपहर को नर्स दीपक से मिलने के लिए उसके फ्लैट पर पहुंची। देर रात करीब डेढ़ बजे दीपक बेहोशी की हालत में उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को दीपक ने बताया कि नर्स चक्कर आने पर गिर गई थी, जिसकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। मामला संदिग्ध होने के कारण पुलिस ने शुक्रवार को पीएम कराया तो पता चला कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है।

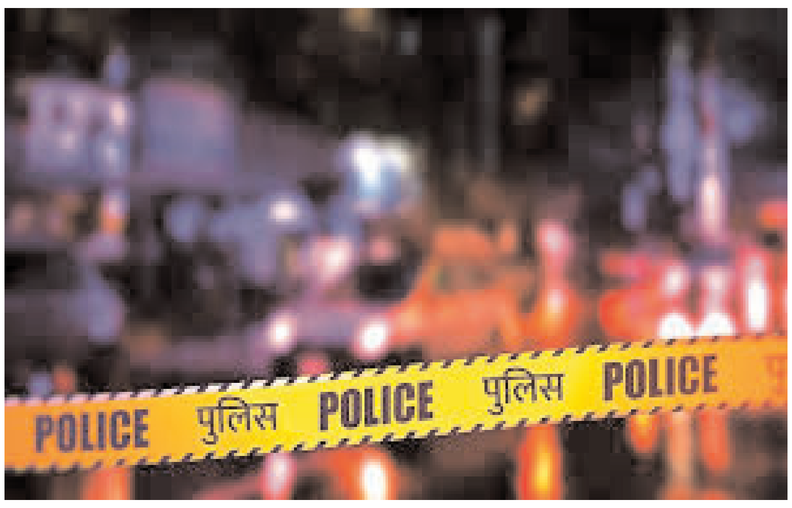

दीपक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो खुला राज

घटना के बाद पुलिस के पकड़े जाने के डर से दीपक भोपाल से बाहर भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस उस पर नजर रखे हुए थी। शनिवार को उसे भोपाल छोड़ने से पहले हलालपुरा बस स्टैंड के पास से हिरासत में लिया गया। मेडिकल फील्ड का जानकार होने के कारण वह पहले तो पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन बाद में उसने नर्स की हत्या करना स्वीकार कर लिया। दीपक ने पुलिस को बताया कि करीब पांच साल से दोनों के बीच दोस्ती थी। पिछले साल अप्रैल 2023 में उसने एक युवती से शादी कर ली तो नर्स अक्सर उससे विवाद करने लगी थी। नर्स से छुटकारा पाने के लिए उसने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई थी।

इस प्रकार दिया घटना को अंजाम

पिछले दिनों दीपक की पत्नी और उसके माता-पिता अपने गृहनगर कानपुर चले गए थे, जिसके बाद से दीपक घर पर अकेला था। बुधवार दोपहर को उसने नर्स को घर बुलाया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसे समझाने का प्रयास भी किया, लेकिन नर्स उसकी बातें मानने को तैयार नहीं थी। इसके चलते रात करीब आठ दीपक ने गला दबाकर नर्स की हत्या कर दी और करीब चार घंटे तक शव घर में ही रखे रहा। इस बीच उसने घर की साफ-सफाई कर दी। रात करीब एक बजे निजी अस्पताल की एम्बुलेंस बुलाई तो डॉक्टर ने नर्स को मृत बताया। उसके बाद नर्स के अस्पताल की एम्बुलेंस बुलाकर इलाज के लिए लेकर पहुंचा, तो वहां के डॉक्टरों ने भी उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई थी।

एफडी घोटाले में आरोपी तत्कालीन कुलपति, कुलसचिव समेत तमाम आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे अभाविप कार्यकर्ता

आरजीपीवी घोटाला मामले में एबीवीपी ने किया सीएम हाउस का घेराव

सिटी चीफ भोपाल।
राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय(आरजीपीवी) में 19.48 करोड़ रुपये के एफडी घोटाला मामले में अब तक मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इसी बात को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ता लगातार प्रदर्शन-आंदोलन कर रहे हैं। इसी सिलसिले में रविवार सुबह अभाविप के कार्यकर्ता श्यामला हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे और गेट के बाहर एकत्र होकर नारेबाजी की। उनका कहना है कि पुलिस इस मामले में लापरवाही बरत रही है। इस मामले में एक माह पहले एफआइआर दर्ज की गई थी, लेकिन अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री मोहन यादव को जब अपने बंगले के बाहर प्रदर्शन की जानकारी मिली, तो उन्होंने एबीवीपी कार्यकताओं को मिलने के लिए भीतर बुलाया। इस पर आरजीपीवी के प्रतिनिधियों ने सीएम के पास पहुंचकर मुलाकात की और उनके समक्ष अपनी मांगों को रखा। मुख्यमंत्री ने उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुना और मामले में जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

कल छह चौराहों पर किया था प्रदर्शन

शनिवार को राजधानी के छह प्रमुख चौहारों पर शाम छह से सात बजे के बीच प्रदर्शन किया और पुलिस के खिलाफ जांच में सुस्ती का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। रेतघाट चौराहे पर पर प्रदर्शन में शामिल हुए अभाविप के शिवम जाट ने कहा कि आरजीपीवी भ्रष्टाचार मामले में कोई भी प्रमुख आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर प्रदर्शन किया जा रहा है। रोशनपुरा चौराहे पर चरित्र तिवारी, इंद्रपुरी चौराहे पर उज्ज्वल, आशाराम चौराहे पर हिमांशु शर्मा, वीआईपी रोड (रेत घाट चौराहा) पर शिवम जाट और कोलार स्थित बीमा कुंज में एबीपीवी के कार्यकर्ता अमित राय के नेतृत्व में जमकर प्रदर्शन किया। एबीवीपी का कहना है कि मामले में तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार और कुलसचिव आरएस राजपूत की याचिका पर जिला न्यायालय ने अग्रिम जमानत की याचिका खारिज कर दिया था। इस मामले में तीन मार्च को एफआइआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार की तलाश में एसआइटी की तीन टीमें जुटी है। मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार, तत्कालीन रजिस्ट्रार आरएस राजपूत सहित तीन आरोपी लापता हो गए हैं। कुलसचिव राजपूत के विदेश जाने की बात सामने आ रही है।

20 से 25 अप्रैल के बीच जारी होंगे 10वीं-12वीं के रिजल्ट

भोपाल। मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन 98 प्रतिशत पूरा हो चुका है। अब भी दो प्रतिशत मूल्यांकन कार्य बाकी है ।माध्यमिक शिक्षा मंडल(माशिमं) ने पांच अप्रैल तक मूल्यांकन कार्य करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कुछ जिलों में शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव कार्य में लगाए जाने के कारण मूल्यांकन की गति धीमी है। अब 10 अप्रैल तक मूल्यांकन कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं,ताकि समय से परिणाम घोषित किया जा सके। मूल्यांकन कार्य 22 फरवरी से जारी है ।अधिकारियों का कहना है कि नौवीं व 11वीं की वार्षिक और 5वीं व 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं की कापियों के मूल्यांकन के कारण कार्य प्रभावित हुआ है। भोपाल सहित मुरैना सहित एक-दो जिले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीइओ) ने समन्वयक केंद्र का निरीक्षण कर मूल्यांकन से अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों को नोटिस जारी किया है। बता दें, कि प्रदेश के 17 लाख विद्यार्थियों की एक करोड़ 10 लाख उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य चल रहा है। रिजल्ट तैयार करने में लगेंगे 10 दिन अभी तक मूल्यांकन कार्य धीमी गति से चल रहा था। मूल्यांकन कार्य पांच अप्रैल को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया गया ।अब 10 अप्रैल तक पूरा करना है। इसके बाद रिजल्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। करीब 10 दिन रिजल्ट बनाने में लगेंगे ।20 से 25 अप्रैल के बीच 10वीं व 12वीं का परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है ।- 98 प्रतिशत उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव में लगने के कारण रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन 10 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा और इस माह के तीसरे सप्ताह में परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

दुकान पर पहुंच आर्यमन ने अपने हाथों से चाय बनाकर लोगों को पिलाई

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र, आर्यमन सिंधिया, ने अपने पिता के प्रचार में जुटकर अपनी एक्टिविटी को तेज किया है। उनके द्वारा बाजार में उतरकर दुकानदारों और शहर के लोगों से मुलाकात की गई, जिससे लोगों को एक नया संदेश मिला। आर्यमन ने एक चाय दुकान पर पहुंचकर अपने हाथों से चाय बनाई और उसे लोगों को पिलाया। उसने एक नास्ते की दुकान पर भी रुककर समोसे पकाए और लोगों को खिलाया। उनके प्रति लोगों की आकर्षण और समर्थन का प्रकटिकरण हुआ, जो इस क्षेत्र में उनकी प्रतिष्ठा को और भी मजबूत करेगा। आर्यमन ने बजार में लोगों से आत्मीयता से बातचीत की और उनके साथ बहुत समय बिताया। उन्होंने रेढ़ी पटरीयों से भी मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। आर्यमन ने अपनी माँ को वीडियो कॉल करके साड़ी की डिजाइन दिखाई, जिससे लोगों को एक नया संदेश मिला कि उन्हें अपने परिवार के साथ संवाद का समय निकालना चाहिए। आर्यमन ने आदिवासी समाज के गांव में भी जाकर महिलाओं और लड़कियों से संवाद किया। इससे लोगों को एक सहयोगी और जानकार मुख्यमंत्री के पुत्र के रूप में उनका आभास हुआ। आर्यमन की यह आत्मीयता से भरी प्रवृत्ति लोगों को उनसे जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही है। जनता उन्हें आशीर्वाद दे रही है और उनके प्रति आपातकालीन विश्वास दिखा रही है।

निजी स्कूल कर रहे हैं मनमानी, डीईओ को शिकायत का इंतजार

17 प्रतिशत स्कूलों ने ही दी जानकारी, वह भी आधी-अधूरी

सिटी चीफ भोपाल।
नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हो चुकी है। निजी स्कूलों ने गणवेश से लेकर पाठ्यक्रम तक में बदलाव कर दिया है। इस कारण अभिभावकों को नई खरीदनी पड़ रही है, जबकि संयुक्त संचालक ने 31 मार्च तक निजी स्कूलों को पाठ्यक्रम सहित किताबों और फीस की सूची देने के निर्देश दिए थे, लेकिन सिर्फ 17 प्रतिशत स्कूलों ने आधी-अधूरी जानकारी दी है।

राजधानी में 321 में से 54 स्कूलों ने ही पाठ्यक्रम की सूची सौंपी है। जिला शिक्षा अधिकारी(डीईओ) की अनदेखी के कारण अब तक स्कूलों ने जानकारी नहीं दी है, जबकि कई स्कूलों ने पाठ्यक्रम में भी बदलाव कर दिया है तो कुछ ने गणवेश बदल दिए हैं। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग ने आठ फरवरी को आदेश जारी कर प्रदेश में फीस विनियमन अधिनियम 2020 कानून का पालन करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत प्रदेश के निजी स्कूलों से फीस, पाठ्यक्रम और किताबों की जानकारी मांगी गई थी, लेकिन दो माह बाद भी स्कूलों में से सिर्फ 54 स्कूलों ने जानकारी अपलोड की है। मामले में अब तक कोई जिला स्तरीय समिति गठित नहीं की गई है ।स्कूलों पर कोई शिकंजा नहीं कसा जा रहा है। फिर से इस साल अभिभावकों को निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें और गणवेश खरीदनी पड़ रही है ।डीइओ अभिभावकों की ओर से शिकायतों का इंतजार कर रहे हैं।

स्कूलों को यह देनी थी जानकारी

राज्य शासन ने मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) 2017 एवं नियम-2020 लागू कर चुका है। हाल में आदेश जारी कर सभी स्कूलों को सत्र 2023-24 के लिए

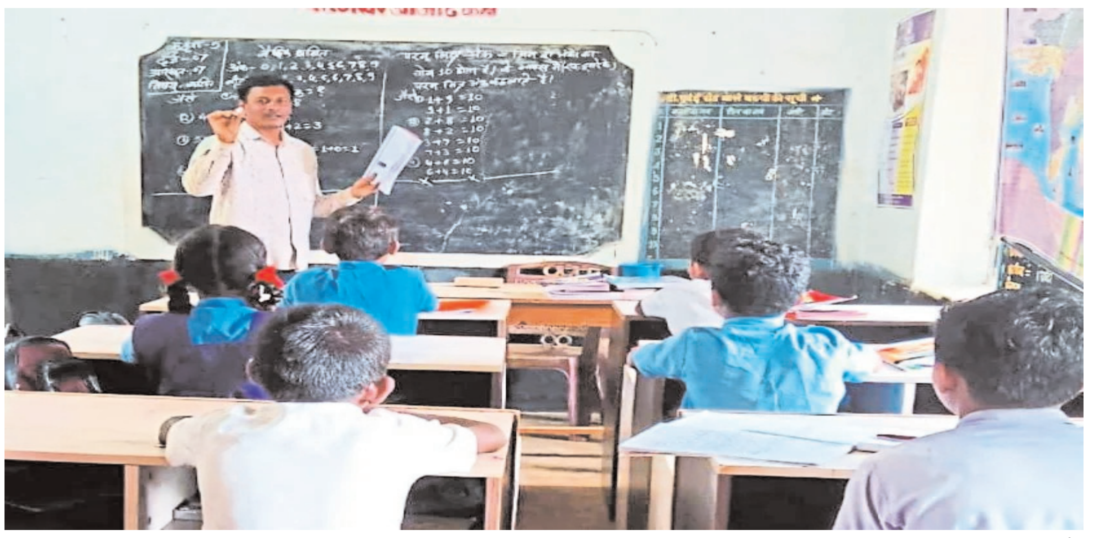

नियत की गई फीस संरचना (कक्षावार एवं संवर्गवार विभिन्न मदों में) की जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी ।निजी स्कूल विगत तीन वर्षों (2020-21, 2021-22, 2022-23) के बजट की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। बैलेंस शीट, प्राप्ति एवं भुगतान पत्रक, आय-व्यय शेड्यूल सहित सभी जानकारी देनी है। इसके बाद संबंधित विषयों के पालन में निजी स्कूलों द्वारा 100 रुपए के गैर न्यायिक स्टांप पेपरों पर आवश्यक वचन पत्र भी अपलोड करना था।

इनका कहना है

निजी स्कूलों को 31 मार्च तक का समय दिया गया था ।अब तक डीइओ की ओर से कोई जांच प्रतिवेदन नहीं मिली है ।मनमानी करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

अरविंद चौरगड़े,संयुक्त संचालक,स्कूल शिक्षा विभाग -जिले के 321 में से 54 बड़े निजी स्कूलों ने जानकारी दी है। उसका निरीक्षण करेंगे। अगर अभिभावक शिकायत करते हैं तो कार्यवाही की जाएगी।

साम्पदकीय

कैसे पूरा होगा बीजेपी का 400 पार का सपना ?

पिछले हफ्ते, पीएम मोदी ने संदेशखाली की बहादुर महिला रेखा पात्रा से बातचीत की। रेखा को बीजेपी ने पश्चिम बंगाल के बशीरहाट से उम्मीदवार के रूप में उतारा है। संदेशखाली का इलाका बशीरघाट संसदीय क्षेत्र में ही आता है। पीएम ने फोन पर हुई बातचीत में रेखा पात्रा की सराहना की थी। हालांकि, तीन मिनट की बातचीत की एक और विशेषता भी महत्वपूर्ण है- वह है दोनों तरफ से सहजता जिसके साथ रेखा प्रधान मंत्री के साथ हिंदी में बातचीत करने में सक्षम थी। यहां विशिष्ट कारण हो सकते हैं कि एक प्रवासी श्रमिक की पत्नी प्राथमिक विद्यालय की शिक्षा और संभवत- महानगर में कम अनुभव के साथ हिंदी में उतनी धारा प्रवाह नहीं बोल पा रही थी। लेकिन यह मानते हुए कि वह दक्षिणी बंगाल के दुर्गम बैकवाटर की एक औसत ग्रामीण थी, यह संकेत देता है कि पूर्वी भारत की अलगाव और विचित्रता के ऊंचे सिद्धांत बढ़ाचढ़ा कर पेश किए गए हो सकते हैं। यह मुद्दा केवल अनावश्यक मीनमेख निकालने का नहीं है। आम तौर पर जहां मुख्य रुचि सत्तारूढ़ गठबंधन के बहुमत के आकार के इर्द-गिर्द घूमती है, उन राज्यों के मतदान व्यवहार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ऐसे राज्य बीजेपी के पारंपरिक प्रभाव वाले क्षेत्रों का हिस्सा नहीं हैं। अगर बीजेपी को अपनी 400 पार की महत्वाकांक्षाओं को साकार करना है, तो यह दक्षिणी और पूर्वी भारत, विशेषकर तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल राज्यों में चुनावी सफलता हासिल करनी होगी। संघीय आख्यान के अनुसार, आंध्रप्रदेश और केरल के साथ ये दोनों राज्य, भाजपा के कथित हिंदी-केंद्रित, हिंदू राष्ट्रवाद के प्रसार में अभेद्य बाधाएं हैं। एक समय में, महान हिंदुत्व विरोधी दीवार विंध्य के पूरे दक्षिण और पूर्वी भारत में फैली हुई देखी गई थी। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, कर्नाटक ने हिंदुत्व को अपने डीएनए में शामिल कर लिया है। ऐसा ही, पूर्व में असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और बंगाली भाषी त्रिपुरा ने किया है। ऐसा लगता है कि राजनीतिक पंडित भी इस विचार पर अड़े हुए हैं कि ओडिशा भी भगवा पार्टी के रंग में शामिल होगा। यह केवल समय की बात है। बीजेपी के आलोचकों ने लंबे समय से कहा है कि इसका हिंदी-केंद्रित पहचान पार्टी को वास्तव में अखिल भारतीय चरित्र बनने में बाधक होगा। 1990 के दशक में अयोध्या आंदोलन के दौरान, यह कहा गया था कि यह आंदोलन केवल उच्च जातियों को आकर्षित करता है और पिछड़ी जातियों और दलितों को पीछे धकेल देगा। स्थिति इसके उलट हो गई है। पिछले तीन दशकों में बीजेपी ने खुद को ओबीसी पार्टी में तब्दील कर लिया है। पिछले पांच वर्षों में, इसकी सामाजिक पहुंच जानबूझकर आदिवासियों और दलितों तक बढ़ाने की कोशिश की गई है। असम में, भाजपा स्वदेशी पहचान का अतिक्रमण करने वालों की मुख्य रक्षक के रूप में उभरी है। त्रिपुरा में, इसने सीपीएम को बंगाली शरणार्थियों की पार्टी के रूप में प्रतिस्थापित कर दिया है। हालांकि हिंदी बीजेपी की भाषा बनी हुई है, लेकिन राज्य इकाइयों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं को दिए गए अत्यधिक महत्व के कारण इसका प्रतिरोध कमजोर हो गया है। साथ ही, राजनीति की संपर्क भाषा के रूप में अंग्रेजी के सचेत अवमूल्यन ने - प्रशासन में इसके उपयोग के विपरीत - गैर-हिंदी क्षेत्र में इसकी अपील में लोकलुभावन, अभिजात्य-विरोधी आयाम को शामिल कर दिया है। तमिलनाडु के अलावा, संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग का कोई विशेष रूप से विरोध नहीं है। वास्तविक साक्ष्य यह भी बताते हैं कि 1980 के दशक के बाद स्कूल जाने वाले लोगों में हिंदी के साथ सहजता का स्तर सबसे अधिक है। यह एक संभावित कारण हो सकता है कि पुरानी शैली की राजनीति जो हिंदी बेल्ट के सौंदर्यवादी तिरस्कार को भड़काने पर केंद्रित थी, भारत के अधिकांश हिस्सों में असर नहीं डालती है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु अपवाद हैं। इन दोनों राज्यों में ममता बनर्जी और डीएमके विचारकों दोनों ने अपनी क्षेत्रीय अपील को आधार बनाया है। यह उत्तर से बाहरी लोगों के प्रति घृणा के प्रसार पर आधारित है। एक समय नास्तिक तर्कवाद का समर्थन करने वाली मूल ब्राह्मण-विरोधी पार्टी के रूप में, डीएमके अभी भी सनातन धर्म के खिलाफ व्यापक मोर्चा खोलने के लिए मजबूर महसूस करती है। पार्टी के सामाजिक विस्तार के बावजूद, इसने बीजेपी को मायलापुर ब्राह्मण समूह के रूप में पेश करने का प्रयास किया है। तृणमूल कांग्रेस अधिक सतर्क है। खुद को हिंदू विरोधी माना जाना पसंद नहीं करती।

पॉलिसीधारकों की मदद- बीमा की जटिलता आसान भाषा में समझने का उपाय है कस्टमर इन्फॉर्मेशन शीट, बेहतर बनेगा अनुभव

बीमा हमें अनिश्चितताओं के बीच वित्तीय सुरक्षा का नेटवर्क प्रदान करता है। हम जैसे-जैसे जीवन में उतार-चढ़ाव से गुजरते हैं, बीमा कवरेज हमारे भविष्य को सुरक्षित बनाने में मददगार साबित होता है। यह बात अलग है कि कभी-कभी बीमा पॉलिसी में लिखित इसके कानूनी शब्दों, जटिल नियमों और शर्तों को समझना मुश्किल होता है। इन जटिलताओं को समझने के लिए समय और प्रयास की जरूरत पड़ती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य बीमा के मामले में। यहीं पर कस्टमर इन्फॉर्मेशन शीट (सीआईएस) काम आती है, जो इन जटिलताओं को आसानी से समझने में पॉलिसीधारकों की मदद करती है।

क्या है कस्टमर इन्फॉर्मेशन शीट-भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडाई) ने नए सर्कुलर में सभी बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि पॉलिसीधारकों की सुविधा के लिए उन्हें कस्टमर इन्फॉर्मेशन शीट अनिवार्य रूप से जारी करनी होगी। इसका मकसद बेहद सरल और स्पष्ट शब्दों में पॉलिसीधारकों को पॉलिसी के बेसिक फीचर्स के बारे में बताना है।

मिलेंगी ये सभी जानकारियां सीआईएस पॉलिसी टाइप, कवरेज, वेटिंग अवधि, लिमिट व सब-लिमिट, कवर नहीं होने वाली बीमारियों की जानकारी, फ्री लुक कैसिंलेशन और क्लेम लेने के तरीकों की आसान व स्पष्ट भाषा में जानकारी देगी। इसके अलावा, शिकायत दर्ज करने के लिए कॉन्टैक्ट डिटेल्स, पॉलिसी नवीनीकरण, नेटवर्क अस्पताल की जानकारी और पोर्टेबिलिटी के बारे में भी डिटेल जानकारी मुहैया कराएगी।

जिम्मेदारियां भी बताएगी संशोधित सीआईएस को स्पष्ट, सरल और एक समान फॉर्मेट में पॉलिसी से जुड़े सभी नीतिगत पहलुओं को कवर करने के लिए बेहतर बनाया गया है। यह एक यूजर फ्रेंडली दस्तावेज है।?यह बीमा कंपनी व पॉलिसीधारकों को उनकी जिम्मेदारियां भी बताएगी। ग्राहक की जिम्मेदारी है कि वह पॉलिसी खरीदते समय पुरानी बीमारियों के बारे में बीमा कंपनी को सही जानकारी दें। ऐसा नहीं करने पर क्लेम खारिज हो सकता है।

ग्राहकों व बीमाकर्ताओं के बीच बढ़ेगी पारदर्शिता सीआईएस पॉलिसी खरीदते समय पॉलिसीधारकों के सामने आने वाली जटिलताओं को कम करने में मदद करेगी। साथ ही, उनके अनुभव को भी बढ़ाएगी, जिससे बीमा खरीदने की प्रक्रिया अधिक सरल हो जाएगी। खास बात है कि सीआईएस पॉलिसीधारकों व बीमाकर्ताओं के बीच संचार पुल के रूप में काम कर पारदर्शिता बढ़ाएगी।

क्यों बार-बार कोर्ट से फटकार खाती है ममता सरकार

देश में पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है जहां बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर अदालतों की सर्वाधिक फटकार और निर्देशों का सामना करना पडा है। अराजकता की ऐसी हालत एक दशक पहले तक कभी उत्तरप्रदेश और बिहार की हुआ करती थी। पश्चिम बंगाल में एक प्रदर्शन के दौरान सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के साथ जब बदसलूकी की थी। इस पर ममता ने कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फेकने की शपथ ली थी। ममता ने हिंसा और अराजकता से गुजर रहे बंगाल को कम्युनिस्टों से मुक्ति दिलाई। कम्युनिस्टों के खिलाफ जिस आंदोलन से ममता ने सत्ता की सीढियां चढ़ी अब अपने विरोधियों को परास्त करने के लिए ममता ने वही रास्ता अपना लिया है। संदेशखाली की घटना के बाद हाईकोर्ट ने जिस तरह की टिप्पणी ममता सरकार के खिलाफ की है, उससे जाहिर है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था रसातल में जा रही है। ममता की पार्टी तृणमूल का एकमात्र उद्देश्य रह गया है अपने विरोधियों की आवाज बंद करना, इसके लिए चाहे गैरकानूनी तरीकों का इस्तेमाल ही क्यों न करना पड़ा। संदेशखाली मामले को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी टीएमसी को भी बेहद तल्ख लहजे में फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अगर संदेशखाली मामले में एक प्रतिशत भी सच है तो प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसकी जिम्मेदार है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। अदालत ने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार को खुद से नैतिक जिम्मेदारी लेना चाहिए। इतना ही नहीं कोर्ट ने कहा कि अगर इस मामले में एक प्रतिशत भी सच्चाई है तो यह शर्मनाक है और पूरा प्रशासन और सत्ताधारी

पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 प्रतिशत जिम्मेदार हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम ने तल्ख लहजे में कहा कि अगर इसका एक भी एफिडेविट सही है तो यह शर्मनाक है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर आप एससी-एसटीनेशनल कमीशन की रिपोर्ट देखेंगे तो उसमें अगर एक फीसदी भी सच है तो ये 100 फीसदी शर्मनाक है। वहीं इस दौरान एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए। सुरक्षा कारणों से कोई भी महिला अदालत में गवाही देने नहीं आई। एक अन्य याचिकाकर्ता की वकील प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि उनके पास अनेक महिलाओं ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की है। ये लोग कह रहे हैं कि अगर महिलाओं ने बयान दिया तो उनके पति-बच्चों का सिर काटकर फुटबाल खेलेंगे। राज्य की ओर से वकालत करते हुए महाधिवक्ता (एजी) ने कहा कि हमें देखना होगा कि संदेशखाली में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था। सभी पक्षों की बातें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने शाहजहां के वकील से सख्त लहजे में कहा कि आप एक आरोपित की ओर से सवाल पूछ रहे हैं। सबसे पहले अपने आस-पास की परछाइयों से छुटकारा पाएं। इसके बाद दूसरे लोगों की शिकायतों के बारे में बात करें। अगर हलफनामे में एक भी आरोप सच है तो वह भी शर्मनाक है। सरकार कहती है कि यहां महिलाएं सुरक्षित हैं। यदि हलफनामे में कोई आरोप साबित हो जाता है, तो ऐसे सभी दावे झूठे होंगे। हालांकि, सुनवाई पूरी होने के बाद भी हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। संदेशखली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले के मास्टरमाइंड और तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख ने कहा था कि वह राजनीतिक साजिश का शिकार है। उसके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। उसे जानबूझकर फंसाया जा रहा है। पूछताछ के दौरान शाहजहां ने पांच जनवरी को संदेशखाली में केंद्रीय एजेंसी कर्मियों पर हमला करने वालों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया था। शाहजहां ने अधिकारियों से कहा था कि वह इस हमले की दिल से निंदा करता है और चाहता है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिले।

ईडी ने शाहजहां से उसकी कंपनी सबीना एंटरप्राइजेज के जरिए काली कमाई को सफेद करने के मामले में पूछताछ की। जिस पर शाहजहां ने कहा कि सब झूठ है। अनुसूचित जाति-जनजाति के पैनल ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की थी इसके लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पैनल ने एक रिपोर्ट सौंपी थी। पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है था कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पैनल का यह भी कहना था कि आरोपियों पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कानून के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए। देश में पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है जहां राज्यपाल ने केंद्र सरकार कई बार बिगड़े हालात की जानकारी दी है। विपक्षी दलों की शासित राज्यों में भी राज्यपालों और सत्तारुढ़ दल की सरकारों में अनबन होती रहती है, किन्तु संवैधानिक पद पर रहते हुए जितने खराब संबंध पश्चिम बंगाल में रहे हैं, उतने किसी भी राज्य में नहीं रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी सभा में कहा कि जो लोग संदेशखाली की महिलाओं के उत्पीड़न के जिम्मेदार हैं, उनको अब अपना बाकी जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में पूरे देश ने देखा कि कैसे टीएमसी और राज्य सरकार ने संदेशखाली की महिलाओं का शोषण करने वाले लोगों को बचाया। लेकिन उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जिन लोगों ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है, उन्हें अब अपना शेष जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा।

चुनावी प्रचार के दौरान ममता बनर्जी पूर्व में भी जहर उगलने में पीछे नहीं रही है। ममता पूर्व में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करती रही है। ममता बनर्जी ने कूचबिहार रैली में यहां तक कह गई कि आप जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते हैं, लेकिन भाजपा पर नहीं। ममता बनर्जी ने कूच बिहार से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रामाणिक का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तुम मंत्री के नाम पर कलंक हो। ममता ने कहा कि राज्य सरकार के अधिकारियों का ट्रांसफर हो रहा है केंद्रीय एजेंसी का कितना ट्रांसफर हुआ? उन्होंने कहा कि भातपा निर्वाचन के कोड नही मानती। उन्होंने आरोप लगाया कि शीतलकुची में जिसने गोली मारकर हत्या किया वो अभी बीरभूम में बीजेपी प्रार्थी बन गया। ममता ने आरोप लगाया कि 3 सालों से आवास योजना का पैसा नहीं दिया जा रहा है। सड़क के पैसे नहीं दिए जा रहे हैं। पहले 100 दिन के काम पर बंगाल एक नंबर पर था। पश्चिम बंगाल में शायद ही कोई ऐसा चुनाव रहा हो जहां हिंसा का तांडव नहीं हुआ हो। चुनाव आयोग के तमाम सख्त प्रयासों के बावजूद पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान हिंसा का शिकार रहा है। वर्ष 2023 में हुए पंचायत चुनाव के मतदान के दौरान चुनावी हिंसा में 17 लोगों की जान गई। तृणमूल कांग्रेस का दावा था कि चुनावी हिंसा में सबसे ज्यादा उनके कार्यकताओं की हत्या हुई। मरने वालों में 60 फीसदी उनके कार्यकर्ता हैं, जबकि विपक्षी पार्टियों ने चुनाव हिंसा को लेकर ममता बनर्जी की सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। देखना यही है कि हिंसा से त्रस्त रहे पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग कैसे शांतिपूर्ण और निर्विघ्न चुनाव संपन्न कराता है।

सियासत में पैसा: चंदा, धंधा और गोपनीयता... देश के हर बंदे को समझना होगा इस धंधे के चंदे का फंडा

जनसेवा में कौन-कौन-सी चीजें गोपनीय हों-यह बहस उतनी ही पुरानी है, जितना जनमानस। लेकिन जनतंत्र से सेवा नीति के लिए आए जनसेवकों को गोपनीयता से क्या लाभ हो सकता है? गोपनीयता अगर केवल सत्ता लाभ के लिए ही हो, तो भी समाज इसको पचा सकता है। लेकिन गोपनीयता अगर भ्रष्टाचार का लाभ उठाने के लिए हो, तो समाज इसको कैसे देखेगा? माना जाता है कि तानाशाही शासन के लिए सबसे मजबूत हथियार गोपनीयता रहती है। लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे कारगर हथियार खुलेपन की स्वतंत्रता है। इसका सीधा लेना-देना महात्मा गांधी के साधन-साध्य के सिद्धांत से समझा जा सकता है।

जब मिली-जुली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार का भ्रष्टाचार सबके सामने आया था, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ पूरे देश में रोष जागा था। जनता में इतना आक्रोश था कि वह सड़कों पर उतर आई थी। जनता ने इसके खिलाफ अहिंसक संघर्ष किया और यूपीए की सत्ता पलट दी। राजनीतिक पार्टियों को चंदा पहले किन रास्तों से आता था, इसका पता नहीं चलता था। इसलिए वर्ष 2017 में भारतीय जनता पार्टी की अगुआई वाली नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) सरकार द्वारा राजनीतिक चंदे के लिए चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था का वादा दिया गया था। गोपनीय ढंग से चुनावी चंदे का यह खेल भी चलता रहता, अगर सर्वोच्च न्यायालय ने इसमें दखल न दिया होता। आखिर जनता को अपनी सेवानीति के लिए राजनीतिक दलों द्वारा जुटाए जा रहे चंदे के बारे में जानने का हक है या नहीं? इस बीच कुछ छुटभैए चंदाखोर के नाम भी सामने आए। और फिर जनता को इस बात का पता चला कि चुनावी चंदे के धंधे में पक्ष-विपक्ष-सभी दल लिप्त रहे हैं। यह तो सभी जानते हैं कि

चुनावी चंदा देने वाले उद्योगों का धन भी जनता से ही उगाहा जाता है। चुनावों में धन का खर्च लगातार अनाप-शनाप ढंग से बढ़ता जा रहा है। मतदाता के धन से जनमत पाने वाले जनसेवक फिर अपने मन से उसको खर्च करते हैं और खर्च का हिसाब भी नहीं देना चाहते। जनता में हर पक्ष यानी सभी राजनीतिक दलों से सवाल करने की जागरूकता रहनी चाहिए। जनता को चुनाव में खर्च होने वाले धन के बारे में जानने का पूरा हक है। जनता को यह भी जानने का हक है कि उन्हीं से उगाहे गए धन से दिए गए चंदे का किस उद्योग घराने ने कितना सही-गलत, लाभ-फायदा उठाया। या चंदा पाने के बाद संबंधित राजनीतिक दल ने उन उद्योगों को कितना लाभ पहुंचाया। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की जनता के प्रति जिम्मेदारी है कि चंदे का यह सब खेल गोपनीयता में न चले। पिछले दिनों एक समाचार पत्र से ही जानने को मिला कि वर्ष 1961 में टाटा समूह के जेआरडी टाटा को नए बने स्वतंत्र दल के सी. राजगोपालाचारी ने चंदे के लिए पत्र लिखा था। जवाब में टाटा ने माना कि चंदा तो वह कांग्रेस को देते हैं, लेकिन देशभक्त उद्योग घराना होने के नाते स्वतंत्र पार्टी को भी चंदा देना उनका कर्तव्य है, क्योंकि कोई भी लोकतंत्र बिना मजबूत विपक्ष के टिका नहीं रह सकता। टाटा ने फिर बाकायदा तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखकर बताया कि रचनात्मक विपक्ष को मजबूत करने का एक जरिया यह तरीका भी है। जो उद्योगपति तमाम सरकारों को जेब में रखने का दावा करते रहे हैं, उनमें ऐसी राय जगजाहिर करने का दम शायद ही हो। इससे उलट कॉरपोरेट इंडिया के तीन बड़े संगठनों ने सर्वोच्य न्यायालय में सवाल किया और जताया कि चुनावी बॉन्ड की गोपनीयता खत्म करने से भारत के उद्योगों पर गलत असर पड़ेगा, क्योंकि वर्ष 2017 में सरकार ने गोपनीयता का वादा किया था। भारत में स्पष्ट कानून है कि निजता का मौलिक अधिकार अपने आप में पूर्ण नहीं है और इसलिए सार्वजनिक हित के सामने उसे झुकना ही होगा। मैं गोपनीयता को पाप मानकर घृणा करता हूं% कहने वाले महात्मा गांधी से जब स्वतंत्रता के लिए छिपकर आंदोलन करने वाले मिलने आए, तो उन्होंने कहा, %जब आप बड़े प्रश्नों पर विचार करेंगे, तो आपको पता लगेगा कि सब तरह की गुप्तता छोड़कर खुले रूप में काम करने से ही आप आगे बढ़ सकते हैं और विकास कर सकते हैं। देश को स्वतंत्रता दिला सकते हैं।% सेवा का साध्य धंधे के चुनावी चंदे से न साधा जाए। धंधे के चंदे से ही चुनाव भी गंदे हुए हैं। इस चंदे के फंडे को देश के हर बंदे को समझना होगा।

अमावस्या पर भस्मारती में कुछ ऐसे सजे बाबा महाकाल, सूर्य और चन्द्र की छवि ने मोहा भक्तों का मन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर सोमवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज अमावस्या की भस्मआरती में बाबा महाकाल का एक अलग ही स्वरूप में श्रृंगार किया गया। जिसमें बाबा महाकाल के मस्तक पर सूर्य और चन्द्र लगाकर श्रृंगारित किया गया।श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

क्या हुआ जब श्रेयस ने एक लड़की को कहा हेल्लो?

खुद क्रिकेटर ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो में किया खुलासा

देश के मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा अपने नए शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो लेकर दर्शकों के बीच हाजिर हैं। इस शनिवार को कपिल ने अपने शो में बतौर मेहमान क्रिकेटर रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर बुलाया था। दर्शकों को शो में श्रेयस अय्यर का अंदाज काफी पसंद आया। क्रिकेटर ने अपने पहले आईपीएल के कुछ अनुभवों को दर्शकों के साथ साझा किया। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के होस्ट कपिल शर्मा श्रेयस से कहते हैं, जब भी आप मैच के दौरान चौका मारते हैं, तब कैमरामैन उन लड़कियों पर फोकस करते हैं जो श्रेयस मैरी मी का बोर्ड लेकर बैठी रहती हैं। क्या मैच खत्म होने के

बाद आप चेक करते हैं कि वह लड़की कहां है या कैमरामैन से इसके बारे में पूछते हैं।कपिल शर्मा के सवाल के जवाब में श्रेयस अय्यर कहते हैं, जब मैं पहले साल आईपीएल खेल रहा था तब मैंने एक खूबसूरत लड़की को स्टैंड में बैठे हुए देखा था। मैंने हाथ हिला कर उन्हें हेल्लो कहा था। यह कई साल पहले की बात है।क्रिकेटर अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैच खत्म होने के बाद मैं उनके मैसेज का इंतजार करता रहा कि वे शायद किसी सोशल मीडिया साइट से मुझे संदेश भेजेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बस यही एकमात्र घटना जो मेरे साथ घटी है।द ग्रेट इंडियन कपिल शो के अगले सेक्शन में कपिल शर्मा ने रोहित शर्मा से पूछा कि वे किसके साथ अपना कमरा साझा नहीं कर सकते हैं। इस सवाल के जवाब में रोहित कहते हैं, मैं शिखर धवन या ऋषभ पंत के साथ एक कमरा साझा नहीं कर सकता हूं। वे साफ-सुथरा नहीं रहते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर तेज हुई गॉडजिला कॉन्ग की दहाड़, क्रू की कमाई में भी आया उछाल

करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन की फिल्म क्रू रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखा रही है। यह फिल्म अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। वहीं, हॉलीवुड फिल्म गॉडजिला कॉन्ग का भी टिकट खिड़की पर धमाल जारी है। इन दोनों के अलावा भी सिनेमाघरों में कई फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। हालांकि, इनकी कमाई की रफ्तार काफी धीमी है। आइए जानते हैं कि रविवार को किस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया। राजेश ए कृष्णन के निर्देशन में बनी फिल्म क्रू 29 मार्च को रिलीज हुई थी। पहले दिन से ही इस फिल्म को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। फिल्म की कहानी के साथ सभी कलाकारों की अदाकारी भी लोगों को खूब पसंद आ रही है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 43.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे वीकएंड में भी फिल्म ने अछा कलेक्शन किया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 10वें दिन फिल्म ने पांच करोड़ 79 लाख रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 58.54 करोड़ रुपये हो गया है।विदेशी फिल्म गॉडजिला कॉन्ग द न्यू एंपायर भी भारत में अछी कमाई करने में कामयाब रही है।

पहले हफ्ते में इस फिल्म ने अर्धशतक लगाते हुए 58.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे सप्ताहांत में भी यह फिल्म धांसू कमाई करने में सफल रही है। 10वें दिन इस फिल्म ने छह करोड़ 25 लाख रुपये का कलेक्शन किया। अब फिल्म की कुल कमाई 72.25 करोड़ रुपये हो गई है।स्वातंत्र्य वीर सावरकर बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। हालांकि, यह फिल्म सिनेमाघरों में अब भी टिकी हुई है। दूसरे वीकएंड पर फिल्म की कमाई में थोड़ा सुधार नजर आया है। ताजा आंकड़ों की मानें तो फिल्म ने तीसरे रविवार को एक करोड़ 25 लाख रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म की कुल कमाई 20.6 करोड़ रुपये हो गई है।मडगांव एक्सप्रेस की कमाई में भी थोड़ा उछाल नजर आया है। शनिवार को इस फिल्म ने एक करोड़ 20 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, रविवार को इस फिल्म ने एक करोड़ 30 लाख रुपये बटोरे हैं। फिल्म की कुल कमाई 22.35 करोड़ रुपये हो गई है अजय देवगन और आर माधवन स्टारर फिल्म शैतान को दर्शकों का पूरा साथ मिल रहा है। एक महीने बाद भी फिल्म टिकट खिड़की पर टिकी हुई है। 31वें दिन फिल्म ने एक करोड़ नौ लाख रुपये का कारोबार किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 143.24 करोड़ रुपये हो गई है।

प्रियदर्शन दिखाएंगे राम मंदिर के 500 वर्षों का इतिहास, निर्देशक ने डॉक्यू-सीरीज को लेकर कही यह बात

देशवासियों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो चुका है। इस साल 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। इस दौरान देश के हर राज्य से दिग्गज हस्तियों ने पहुंचकर भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त किया था। साउथ और हिंदी फिल्मों के मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन राम मंदिर के इतिहास पर इन दिनों डॉक्यूमेंट्री बना रहे हैं। 500 वर्षों का दिखाया जाएगा इतिहास

इस डॉक्यूमेंट्री पर बात करते हुए उन्होंने बताया, मंदिर की देखरेख करने वाले लोगों ने मुझे इसे निर्देशित करने के लिए आमंत्रित किया था। मुझे स्क्रिप्ट बहुत दिलचस्प लगी। इसमें पिछले 500 वर्षों का इतिहास और भगवान राम की जन्मभूमि पर वापसी को लेकर किए गए संघर्ष को दिखाया जाएगा। निर्देशक ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का प्रसारण भागीदार दूरदर्शन है।

60 दिन तक चली शूटिंग निर्देशक ने नवंबर 2023 से इस

डॉक्यूमेंट्री के लिए 60 दिन तक शूटिंग की है। इसके लिए उन्होंने जिन लोगों का साक्षात्कार लिया उनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हैं। इसे बनाने का अनुभव साझा करते हुए प्रियदर्शन ने कहा, यह एक फिल्म बनाने से भी अधिक मुश्किल काम था। कुछ ऐसी संवेदनशील चीजें थीं, जिन्हें हमने नहीं छुआ। साथ ही, हमें इतिहास भी बताना था। इसलिए यह मेरी लिए सबसे बड़ी चुनौती थी।

प्रियदर्शन को नहीं करना पड़ा शोध इस डॉक्यू सीरीज के लिए उन्होंने कुछ नाटकीय सीन भी शूट किए हैं। प्रियदर्शन के मुताबिक राम मंदिर से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति जवाहरलाल नेहरू और कलेक्टर केके नायर जैसे दिखने वाले लोगों को ढूंढना मुश्किल था। उन्होंने खुलासा किया कि इस विषय पर उन्होंने अपनी तरफ से शोध नहीं किया, क्योंकि जब उन्हें स्क्रिप्ट मिली तो यह पहले ही हो चुका था।

पुष्पा 2 से पहले इन पांच फिल्मों से अल्लू अर्जुन ने मचाया जमकर धमाल, बॉक्स ऑफिस पर रहीं सुपरहिट

साउथ के सुपर स्टार अल्लू अर्जुन आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट फिल्मों में काम किया है, लेकिन फिल्म पुष्पा- द राइज ने उन्हें पूरे भारत में लोकप्रिय बना दिया। अब दर्शक उनकी आगामी फिल्म पुष्पा- द रूल का इंतजार कर रहे हैं। आइए आज आपको अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर उनकी टॉप पांच फिल्मों के बारे में आपको बताते हैं। क्या आपको पता है अल्लू अर्जुन और सुकुमार पुष्पा- द राइज से पहले भी एक साथ काम कर चुके हैं। अल्लू अर्जुन और सुकुमार साल 2004 में तेलुगु भाषा में बनी फिल्म आर्य में एक साथ काम कर चुके हैं। दोनों की जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर काफी धमाल मचाया था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो महज चार करोड़ रूपये की लागत से बनी यह फिल्म 30 करोड़ रुपये कमाने में कामयाब रही थी। साल 2010 में तेलुगू सुपर स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म वेदम रिलीज हुई थी।

घर बसाने को तैयार हैं नोरा

बोलीं- मुझे एक ईमानदार और खूबसूरत जीवनसाथी की तलाश है

नोरा फतेही आज बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बतौर डांसर अपने करियर की शुरुआत करने वाली नोरा आज फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाती नजर आ रही हैं। हाल ही में नोरा कॉमेडी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में दिखी थीं। दर्शकों को इस फिल्म में उनका किरदार काफी पसंद आया था। पिछले दिनों अभिनेत्री एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निजी जिंदगी और अपनी शादी के बारे में खुलकर बातें करती दिखीं।

समय के साथ नोरा के बदले हैं विचार नोरा फतेही बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। पिछले दिनों जब उनसे पूछा गया कि वे अपने जीवनसाथी में किन गुणों को देखना चाहती हैं। इस सवाल के जवाब में नोरा कहती हैं, पहले मैं जिस तरह से सोचती थी अब वह बिल्कुल बदल गया है। मैं प्यार और शादी के मामले में एकदम पुराने ख्याल रखती हूं। मैं भी शादी करके घर बसाना चाहती हूं।

दिल का अछा होना है जरूरी

नोरा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं एक ऐसे जीवनसाथी की तलाश में जो ईश्वर में विश्वास रखता हो। साथ ही साथ उसकी परवरिश अछी हुई हो। मेरे लिए पैसे बाद में आते हैं उससे पहले मेरे लिए इंसान का दिल से अछा होना जरूरी है। सच कहूं तो आज की दुनिया में मतलबी लोग यादा मिलते हैं जो आपका फायदा उठाना चाहते हैं। वे कुछ वर्षों तक आपके साथ रहेंगे और आपका फायदा उठा कर अलग हो जाएंगे।

शादी के बाद बचे पैदा करने की ख्वाहिश नोरा फतेही शादी करके घर बसाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री कहती हैं, मेरे जीवनसाथी के बारे में चार-पांच साल पहले जो मेरे ख्याल थे वे काफी सतही थे। अब मैं बहुत बदल गई हूं। एक आदर्श पुरुष के बारे में मेरा अलग दृष्टिकोण विकसित हुआ है। मुझे लगता है पहले मैं गलत चीजों की तलाश में थी। मैं एक ईमानदार जीवनसाथी की तलाश में हूं जिसका लुक भी अछा हो। मेरा मतलब है, मुझे अछे आनुवंशिकी की जरुरत है क्योंकि मैं सुंदर बचे पैदा करना चाहती हूं।

ओटीटी कंटेंट को लेकर फूटा रंजीत का गुस्सा

बोले- आप परिवार के साथ बैठकर इन्हें नहीं देख सकते हैं

बॉलीवुड के मशहूर विलेन रंजीत 500 सौ से अधिक फिल्मों काम कर चुके हैं। दर्शकों को आज भी उनके द्वारा बोले गए डायलॉग याद हैं। उन्होंने अपने लम्बे फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान रंजीत ओटीटी कंटेंट के बारे में बातें करते दिखाई दिए। साथ ही साथ उन्होंने बॉलीवुड में आए बदलाव पर भी अपने विचार जाहिर किए।

विलेन के लिए नहीं लिखे जाते थे डायलॉग

दिग्गज अभिनेता रंजीत बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय खलनायकों में से एक हैं। उनके द्वारा निभाए गए किरदार से लोग घृणा करते थे। जिस तरह से वे अपनी फिल्मों में महिला किरदारों की साड़ियां खींचते और कपड़े फाड़ते नजर आते थे, उसे देखकर आज भी दर्शक गुस्सा से भर जाते हैं। अभिनेता बीते दिनों को याद करते हुए कहते हैं, जब हम फिल्मों के

लिए शूटिंग कर रहे होते थे तब हमें अपने डायलॉग के साथ सेट पर आना होता था। उन दिनों विलेन के लिए डायलॉग लिखने का रिवाज नहीं था। मैं अपने डायलॉग दृश्यों के हिसाब से तुरंत सोच लेता था और उन्हें ही बोल देता था।

विलेन के लिए नहीं लिखे जाते थे डायलॉग

दिग्गज अभिनेता रंजीत बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय खलनायकों में से एक हैं। उनके द्वारा निभाए गए किरदार से लोग घृणा करते थे। जिस तरह से वे अपनी फिल्मों में महिला किरदारों की साड़ियां खींचते और कपड़े फाड़ते नजर आते थे, उसे देखकर आज भी दर्शक गुस्सा से भर जाते हैं। अभिनेता बीते दिनों को याद करते हुए कहते हैं, जब हम फिल्मों के लिए शूटिंग कर रहे होते थे तब हमें अपने डायलॉग के साथ सेट पर आना होता था। उन दिनों विलेन के लिए डायलॉग लिखने का रिवाज नहीं था। मैं अपने डायलॉग दृश्यों के हिसाब से तुरंत सोच लेता था और उन्हें ही बोल देता था।

ओटीटी कंटेंट परिवार के साथ नहीं देख सकते

रंजीत हिंदी फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाने के लिए मशहूर हैं। एक ऐसा विलेन जो बड़े पर्दे पर महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाता हैं, लेकिन असल जिंदगी में रंजीत इससे काफी अलग हैं। अपने इंटरव्यू के दौरान रंजीत कहते हैं, मैं कोरोना महामारी में केवल दो या तीन वेब शो देख पाया। जिनमें से एक सीरीज भारतीय था और दूसरा ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय शो था। उसके बाद मैंने ओटीटी शो देखना बंद कर दिया। मुझे ओटीटी के कंटेंट अश्लीलता और अभद्रता से भरे हुए लगते हैं। इन सीरीज की भाषा भी काफी अभद्र होती है। आप अपने परिवार और स्टाफ के सामने बैठ कर ओटीटी के कार्यक्रमों को नहीं देख सकते हैं।

नेट वर्थ के मामले में फ्लावर नहीं फायर हैं अल्लू अर्जुन, लग्जरी जिंदगी जीते हैं पुष्पा

अल्लू अर्जुन की आने वाली फिल्म पुष्पा- द रुल को लेकर फिल्मी दुनिया में हल्ला मचा हुआ है। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने इसके पोस्टर के साथ टीजर रिलीज की तारीख की घोषणा की थी। सुपरस्टार अल्लू आज अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास दिन पर उनके प्रशंसकों को पुष्पा- द रुल के टीजर का खास तोहफा मिलने वाला है। इस अहम मौके पर हम भी आपको अल्लू अर्जुन की जिंदगी से जुड़ी कुछ बातें बताने वाले हैं। आज हम आप सभी को उनकी नेट वर्थ के बारे में बताएंगे।

फिल्म और विज्ञापन से कमाते हैं करोड़ों रुपये लोगों के दिलों पर राज करने वाले अल्लू नेट वर्थ के मामले में किसी के भी सामने झुकते नहीं हैं। उनका नाम फिल्म उद्योग के सबसे अमीर सितारो में शामिल है। अल्लू अपनी एक-एक फिल्म के लिए करोड़ों रुपये की फीस लेते हैं। फिल्मों के अलावा विज्ञापनों से भी उनकी जेब में तगड़ा पैसा आता है। वे कई नामी कंपनियों के उत्पादों के विज्ञापन में नजर आते रहते हैं। आपने उन्हें फ्रूटी, रैपिडो और जोमैटो के विज्ञापन में देखा ही होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन की नेटवर्थ 460 करोड़ रुपये से भी यादा है।

बड़े नाम वाले अल्लू के पास है इतना बड़ा घर अल्लू अर्जुन का घर हैदराबाद के जुबली हिल्स इलाके में है। यह घर एकदम आलीशान है। घर की सजावट आधुनिक ढंग से की गई है। उनके घर में एक बड़ा पूल भी है। घर का आकार 8,000 वर्ग फुट बताया जाता है। इसकी कीमत सुनकर आप दंग रह जाएंगे। अल्लू का घर 50, 60 या 70 नहीं, बल्कि 100 करोड़ रुपये का है। उनके नाम हैदराबाद से बाहर भी घर है। उन्होंने 2015 में मुंबई शहर में एक 2बीएचके अपार्टमेंट लिया था।

इन लग्जरी कार के मालिक हैं अल्लू अल्लू अर्जुन के कार गैराज में एक से बढ़कर एक चमचमाती कार खड़ी है। वे कई लग्जरी कारों के मालिक हैं। ऐसी कारें जिन्हें खरीदना का सपना हर किसी का होता है, वे अल्लू के पास मौजूद है। सभी कारों की कीमत करोड़ों में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके कार कलेक्शन में बीएमडब्ल्यू, रेंज रोवर और ऑडी जैसी कार कंपनियों की महंगी-से-महंगी कार शामिल हैं। उनके पास एक बीएमडब्ल्यू एक्स6 कूव कार है। अल्लू पोर्शे और जगुआर के भी मालिक हैं।

मंकी मैनमें कैसा होगा शोभिता धूलिपाला का किरदार? अभिनेत्री के बयान ने किया उत्साहित

अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला पोन्नियन सेल्वनऔर पोन्नियन सेल्वन 2समेत मेड इन हेवनसीजन 1 और 2 के लिए मशहूर हैं। अभिनेत्री ने देव पटेल की मंकी मैनसे हॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। अब एक हालिया इंटरव्यू में, शोभिता ने मंकी मैनमें शक्तिशाली लेकिन निंदनीय व्यक्तियों की देखभाल करने वाली एक कॉल गर्ल सीता के अपने चरित्र के बारे में बात की। साथ ही करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए। शोभिता ने ऐसी भूमिकाओं की जटिलता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, वे वास्तव में जटिल स्तर वाले व्यक्ति हैं। इतनी गहराई के पात्रों को संभालने में सक्षम व्यक्ति के रूप में देखा जाना एक वास्तविक सम्मान है, अगर ऐसा कुछ है जो मेरे साथ प्रतिध्वनित होता है तो मैं उसके साथ जुड़ने की इछा रखती हूं। जब शोभिता से उनके पहले हॉलीवुड प्रयास के रूप में उनके पहले निर्देशन प्रोजेक्ट पर काम करने के जोखिम के बारे में पूछा गया, तो शोभिता ने इस बात पर जोर दिया कि, यह विश्वास, भय, और एक एकीकृत पैक के रूप में एक साथ चलने की भावना की उपस्थिति पर आधारित एक अनूठा रिश्ता है। उन्होंने पहली बार फिल्म निर्माता के साथ सहयोग करने में शामिल पवित्रता और जुनून के बारे में बात की और बताया कि यही कारण है कि उन्होंने इस परियोजना में उत्साहपूर्वक शामिल होने का फैसला किया। अमेजन प्राइम सीरीज मेड इन हेवनमें धूलिपाला का किरदार एक कम आय वाली महिला का है, जो उच वर्ग के दायरे में अपनी जगह बनाने की योजना बनाती है। मंकी मैनमें वह सीता नाम की एक कॉल गर्ल की भूमिका में हैं, जिसका व्यवसाय शक्तिशाली लेकिन घृणित पुरुषों की खुशी है।

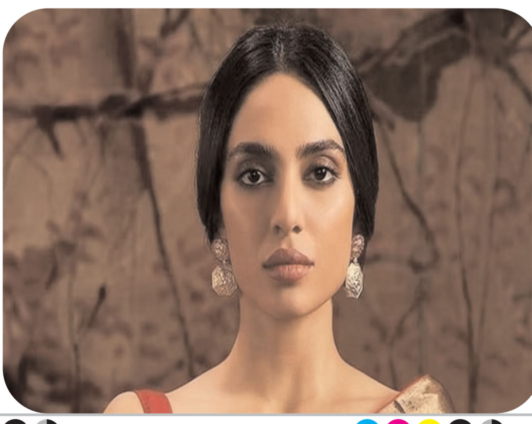

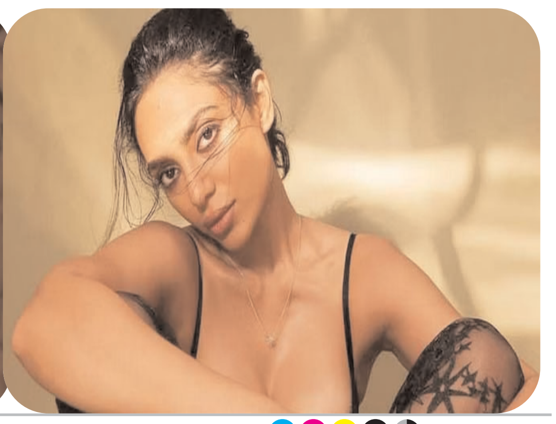

इस अवसर पर कटनी के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं समेत 50 से अभी अधिक कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ली

कटनी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, कटनी जिला अध्यक्ष दीपक टंडन ने सर्वप्रथम कार्यालय में भाजपा का ध्वज फहराया। साथ ही पार्टी के पितृपुरूष, मातृ शक्तियों को नमन किया जिन्होनें अथक परिश्रम से भाजपा को परम वैभव तक पहुंचाया। स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कार्यालय में संगोष्ठी भी आयोजित की गई। जिसमें पूर्व जिला अध्यक्ष चमनलाल आनंद ने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक के सफर की गौरवगाथा कार्यकर्ताओं को बताई। तदोपरांत वरिष्ठ भाजपा नेता नंदकुमार बसरानी ने सन 1980 मुबई अधिवेशन पार्टी के स्थापना के दिन में स्वयं के उपस्थित रहने के संस्मरण कार्यकर्ताओं से साझा किये। वरिष्ठ नेताओं का भाजपा का दुपटटा पहनाकर सम्मान किया। अपने उदबोधन में भाजपा के जिला अध्यक्ष ने कहा कि लाखों लाख कार्यकर्ताओं की मेहनत त्याग और परिश्रम से हम पार्टी के परम वैभव को देख रहे है। हम सौभाग्यशाली हैं जो भाजपा के कार्यकर्ता है वह पार्टी जिसका नेतृत्व डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, भारत रत्न अटल जी, राजमाता सिंधिया, कुशाभाउ ठाकरे जैसे कर्मवीरों ने किया जिला अध्यक्ष ने स्वयं के छात्र जीवन में आभाविप में अपने कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने के दौरान कांग्रेस की सरकार के द्वारा अभाविप, भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने के उस समय को याद किया। इस संगोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री सुनील उपाध्याय ने किया। जिलाध्यक्ष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज का दिन हमारे लिए गौरव का दिन है। बूथ के कार्यकर्ता से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नडडा, प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा के नेतृत्व में भाजपा परिवार का निरंतर विस्तार हो रहा है। इसी के तहत नवीन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज सैकड़ो कांग्रेस तथा अन्य दलों के पदाधिकारियों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। यह सभी लोग हमारे नेतृत्व से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा खजुराहो लोकसभा में हम सब मिलकर ऐतिहासिक विजय हासिल करेंगे। भाजपा की सदस्यता लेने वालों में सुनील रांधेलिया पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व कोषाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, डॉ आरपी पांडेय पूर्व यूथ कांग्रेस वार्ड अध्यक्ष, संभव रांधेलिया पूर्व सचिव जिला कांग्रेस कमेटी, नीलराज सिंह बाबा पूर्व युवक कांग्रेस वार्ड अध्यक्ष, कपिल श्रीवास्तव पूर्व महामंत्री युवक कांग्रेस, प्रकाश पटेल, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष युवक कांग्रेस, रवि शिवहरे, रामनारायण सेन छोटे पूर्व जिला सचिव ग्रामीण कांग्रेस कमेटी, राजेन्द्र अग्रवाल मुनीम पूर्व जिला महामंत्री कांग्रेस कमेटी, विकास पाठक, एडवोकेट मनोज बाझल पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बसपा, अंशुल चौधरी, दीपक दुबे, वीरू कोल, कविता सिंह, खुशबू मिश्रा, कांता मिश्रा, अंजली विश्वकर्मा आदि शामिल थे।

कटनी के बहोरीबंद में फसल में लगी आग

15 से 20 एकड़ में लगी फसल जल कर खाक

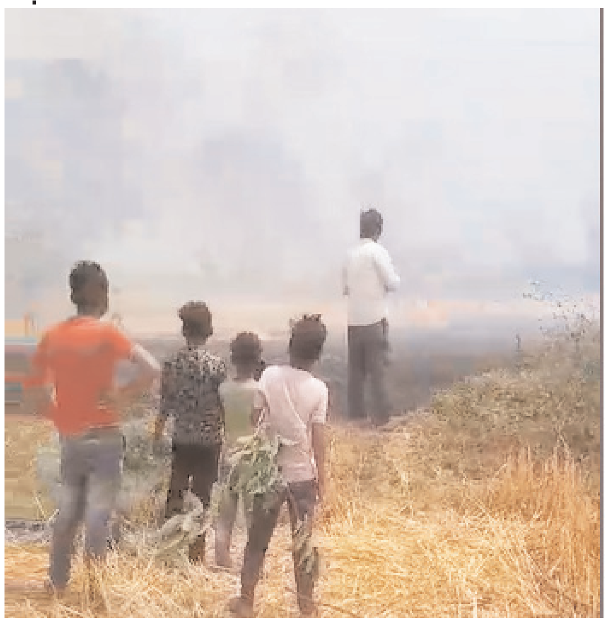

20 एकड़ में लगी खड़ी गेहूं की फसल जल कर खाक हो गई।

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के बहोरीबंद के बाकल थाना क्षेत्र के ग्राम सिंहुडी के 15 से 20 एकड़ की भूमि पर लगी गेहूं की फसल आग की चपेट में आई जिससे गेंहू की फसल जलकर हुई ख़ाक हो गई। फसल में आग लगाते हो किसने पाने परिवार और ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाने की कोशिश करते रहे लेकिन आग रुक नहीं पाई और फसल पूरी तरह जलकर खाक हो गई। ग्रामीण लोगो ने बताया की आग लगाने के कारण का अभी तक पता नहीं लग सका है ग्रामीणों ने यह भी बताया की फसल में आग लगाने की सूचना फायर ब्रिगेट को दी गई लेकिन फायर ब्रिगेट की गाड़ी समय से मौके पर नही पहुंच सकी जिसके चलते 15 से

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने करा आकस्मिक भ्रमण

लापरवाही पाये जाने पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुलिस अधीक्षक को लिखा पत्र

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर के निर्देश पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम ने पुलिस अधीक्षक दमोह को पत्र लिखकर कहा है कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के भ्रमण दौरान पुलिस बल भी कर्त्तव्य के प्रति गंभीर नहीं पाये गये है। इनमें चेक पोस्ट बटियागढ (अमोदा फारेस्ट बैरियर) सायं 7 बजे से प्रातः 7 बजे तक प्र. आरक्षक 773 राजेश राठौर थाना बटियागढ़, दमोह देहात (टोल बैरियर ग्राम हथना सागर रोड) पर प्र.आर. 640 महेन्द्र कुमार अहिरवार थाना अजाक एवं दमोह देहात (हटा नाका मुक्तिधाम) पर प्र.आर. 267 अमित यादव सागर नाका चौकी भी कर्तव्य के प्रति गंभीर नहीं पाये जाने के आरोप में अनुशासनात्मक कार्रवाही की जाकर उनके स्थान पर दूसरा पुलिस बल लगाया जाये। ज्ञातव्य है लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत एस.एस.टी. दल के साथ पुलिस बल पदाविहित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर द्वारा गत दिनों सिहोरा पड़रिया टोल नाका चेक पोस्ट, नीमोन तिगड्डा चेक पोस्ट तथा मुक्तिधाम हटा नाका चेक पोस्ट भ्रमण के दौरान पदाविहित अधिकारी कर्तव्य स्थल पर सोते हुए पाये जाने के आरोप में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही की गई है।

कटनी में स्तिथ एक गोदाम में लगी आग

ट्रांसफार्मर में शार्ट सर्किट के चलते लगी आग

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले माधवनगर के ताँगा स्टैंड के पास स्थित एक कबाड़ गोदाम में आग लग गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलने पर फायर बिग्रेड मौके पर पहुंच गई है और आग बुझाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। आग लगने का कारण तांगा स्टैंड के पास लगे ट्रांसफार्मर में शार्ट सर्किट आग लगी हुई थी और उसकी चिंगारी कबाड़ गोदाम में पहुंच गई और घिरे धीरे गोमार में लगी आग बिकराल रूप ले ली। कबाड़ गोदाम में लगी आग की सूचना मिलने पर माधवनगर टीआई अनूप सिंह ठाकुर अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने में सहयोग देने लगे मौके पर चार फायर ब्रिगेट की गाड़ी पहुंच चुकी है और आग पर काबू पाने के लिए युद्ध स्तर पर काम जारी है।

ईसीआई के लोगो एवं चुनाव का पर्व, देश का गर्व

रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को दिया गया जागरूकता का संदेश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये मतदाताओं को 26 अप्रैल मतदान दिवस के अवसर पर मतदाताओं को मतदान करने हेतु बूथ पर जाने के लिए जागरूक करने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में जिले में निरंतर स्वीप समिति द्वारा विभिन्न तरह की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन स्वीप प्लान के अंतर्गत किया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय आदर्श महाविद्यालय बरपटी में एक वृहद विशाल आकार की रंगोली का निर्माण किया गया। यह कार्यक्रम चुनाव आयोग के लोगो एवंचुनाव का पर्व, देश का गर्व मतदाताओं को संदेश देने हेतु एक वृहद आकार की 80 फीट बाई 30 फीट की रंगोली का निर्माण स्वीप समिति के सदस्यों एवं गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज दमोह के सिविल इंजीनियरिंग के एच. ओ. डी. सिद्धार्थ जाउरकर एवं सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों जिनमें दिलीप सिंह लोधी, अनुराग गुप्ता, प्रिंस मिश्रा, श्रवण मिश्रा, राघव तिवारी, रितिक वैश्य, सूर्य प्रताप ठाकुर, नितेश अग्रवाल द्वारा बनाई गई। जिसका उद्देश्य निर्वाचन आयोग के संदेश को घर-घर, गांव गांव और गली-गली तक पहुंचाना है। इस चुनाव के पर्व को देश के गर्व के रूप में नागरिकों के समक्ष प्रस्तुत करने तथा चुनाव को उत्सव बनाने के उद्देश्य से वृहद आकार की रंगोली का निर्माण कर प्रचार-प्रसार करने का अनोखा तरीका स्वीप सदस्यों द्वारा प्रदर्शित किया गया।

लगातार जारी है भाजपा की सदस्यता, विभिन्न पार्टियों के सदस्य हो रहे शामिल

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, लगातार विभिन्न पार्टियों के सदस्य अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं यह सिलसिला लगातार जारी है पथरिया फाटक नया बाजार नंबर चार के वार्ड अध्यक्ष सचिन रैकवार एवं संदीप चौधरी के द्वारा अनेक युवाओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। संदीप चौधरी ने बताया कि हमारे वार्ड के कई साथी है जो हमेशा मेरे साथ रहते है इन्होंने मेरे कार्यालय में आ कर भाजपा की सदस्यता ली है उन्होंने सभी को भाजपा की पट्टी पहनकर सदस्यता दिलाई। गुलाब ,सुरेश ,दशरथ, विनोद, विजय पेंटर कोदू ,संजय ,दिलीप ,भूपेंद्र ,सुरेंद्र, नीरज देवेंद्र ,लालू ,दीपू ,मुकेश रैकवार ,सूरज रैकवार, गोलू रैकवार, सुनील रैकवार भूपेंद्र ,काली ,राजा ,कपिल हरिश्चंद्र ,राहुल राजेश ,अजय जाटव, भूरा कसौटिया अनु ,विष्णु ,मंटोला ,धर्मेंद्र ,धर्मेश, रॉकी, अजय ,सचिन खटीक ,गोलू रैकवार, जगदीश अहिरवार आदि लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

मरीज को छोड़ नासिक जा रही खड़ी एम्बुलेंस खड़े ट्रक से टकराई, तीन लोग घायल

ग्राम उकावता के पास हुआ हादसा घायलों को पहुंचाया अस्पताल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। ग्राम उकावता के पास हाईवे पर नासिक जा रही एक एम्बुलेंस ने खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 2 बजे की है जब उत्तरप्रदेश से पेशेंट छोड़कर नासिक जा रही एम्बुलेंस हाईवे पर खड़े ट्रक से टकरा गई। जिससे एम्बुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें जानकारी लगने पर सुनेरा थाने की डायल 100 से कांस्टेबल हेमेंद्र जादौन और पायलट डालचंद राठौर मौके पर पहुंचकर जिला अस्पताल पहुंचाया। इस हादसे में एंबुलेंस में सवार संजय पिता बाबूराव, शिवाजी वागमोर पिता सतवाग मोरे और अरुण पिता पोपट तीनों निवासी नासिक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

लूटेरे लूट कर भागे व्यापारी का पैसा

रस्ते में हुआ लूटेरो का एक्सीडेंट, एक की मोत तीन गिररफ़्त में

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले से लगे पन्ना जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र फेरी का व्यापार करने वाले दो व्यापारियों के साथ 4 लुटेरों ने लूट की वारदात की अंजाम देते हुए एक व्यापारी के पेट और हाथो में चाकू से हमला कर उनके पास से बाइक और 35 हजार रुपए नगदी समेत दो मोबाइल फोन लेकर भागे लेकिन रास्ते में ही लुटेरों का एक्सिडेंट हो गया इस एक्सिडेंट में एक लुटेरे की मौत हो गई और एक को चोटे आई और बाकी के दो लुटेरों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया और एक घायल लुटेरे का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घायल व्यापारी दानिश ने बताया की वह सिहोरा से मुजफ्फरपुर अपने चाचा के साथ घर जा रहा था और वह जैसे ही पन्ना जिले के रैपुरा के पास पहुंचे उन्हे रास्ते में 4 लुटेरों ने रोका और उनके साथ मारपीट करने लगे इस मारपीट में उसके हाथ और पेट पर एक लुटेरे ने चुकी से हमला कर उनके पास रखे दो मोबाइल फोन 35 हज़ार रुपए कैश और उनकी गाड़ी छीन मौके से फरार हो गए..वही उसे रैपुरा की पुलिस जिला अस्पताल लेकर पहुंची तो उसे पता चला की जिन चार लोगो ने उनके साथ लूट की थी उनमें से एक की रोड एक्सिडेंट में मौत हो गई और एक को चोटे आई है और बाकी के दो और लुटेरों को रैपुरा पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है।

शाजापुर में ट्रेन ट्रेक पर गिरा युवक, मौत बेरछा पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ *शाजापुर, बेरछा थानांतर्गत ग्राम बल्डिया सोन के समीप रेलवे ट्रेक पर एक व्यक्ति की गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मृतक बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ग्राम बल्डीया सोन के पास गोरखपुर ट्रेन से रेलवे ट्रैक पर गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी लगने पर बेरछा पुलिस पहुंची और शव को जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक मृतक व्यक्ति बिहार का निवासी बताया जा रहा है, जिसकी शिनाख्ती नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।*

सभी घाटों की सफाई की जाए, जहां पर मंदिर, मस्जिद और अन्य धर्म स्थान गुरुद्वारे आदि है उनके पास विशेष साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए

शांति समिति की बैठक संपन्न, कलेक्टर ने दिए निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, सभी घाटों की सफाई की जाए, जहां पर मंदिर, मस्जिद और अन्य धर्म स्थान गुरुद्वारे वगैरह है उनके पास विशेष साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए। जहां पर जवारे विसर्जन होते हैं, उन घाटों की व्यवस्था को सुदृण किया जाए। इसके अलावा इस समय कुण्डलपुर में एक बहुत बड़ा आचार्य पदारोहण भी है, जिसके लिए बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है उसको ध्यान में रखते हुए भी व्यवस्थायें और यातायात की व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाये। इस आशय के विचार आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित शांति समिति की बैठक में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने व्यक्त किये। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, अपर कलेक्टर मीना मसराम, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीएम दमोह आरएल बागरी सहित शांति समिति के सदस्यगण मौजूद थे।

कलेक्टर ने कहा इस बात की बहुत खुशी है कि समिति की बैठक में बहुत अच्छे सुझाव शांति समिति के सदस्यों की ओर से आए हैं, जो न केवल त्यौहारों के विषय में थे बल्कि शहर की बेहतरी को लेकर भी थे, इस पर सभी संबंधित लोग काम करेंगे। मैंने और पुलिस अधीक्षक ने यह प्रतिबद्धता जताई है कि हम लगातार इन विषयों पर काम करेंगे और इसके अच्छे परिणाम सबको देखने के लिए मिलेंगे। उन्होंने कहा सभी ने संकल्प लिया है कि जैसे होली, रंगपंचमी और बाकी के त्यौहार सद्भाव के साथ मनायें, यह सारे त्यौहार भी सद्भाव के साथ मनाए जाएंगे। इस दौरान मार्ग डायवर्सन आदि के ऊपर भी विचार किया गया है।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा आने वाले जितने त्यौहार चैती चांद, ईद-उल-फितर, बैसाखी, रामनवमी, नवरात्रि और जवारे विसर्जन आदि है, इन सारे त्योहारों को सांप्रदायिक सद्भाव, उल्लास, समरसता और उत्साह के साथ मनायें।

बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने भी अपने-अपने विचार रखे जिन पर कलेक्टर ने बैठक में विभागों को निर्देशित किया है, नगरपालिका साफ-सफाई, पानी और प्रकाश की व्यवस्था बेहतर तरीके से सुनिश्चित करें। इन सभी त्योहारों का आगमन अप्रैल माह में ही है, इसी समय अंबेडकर जयंती भी है। इन सारी चीजों को देखकर के नगर पालिका बहुत अच्छे से प्लान करें। विद्युत मंडल को बताया गया है कि बिजली की निर्बाध सुविधा करें और जहां पर तार लटक रहे हैं, उनको व्यवस्थित करने का काम करें साथ में यदि कहीं ट्रांसफार्मर जलने की स्थिति आती है तो उसको सुधारने का काम सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए।

पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने कहा त्यौहारों को शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जाये, परंम्परा अनुसार त्योहार मनायें, पुलिस की माकूल व्यवस्था रहेगी, किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। पुलिस सतत उपलब्ध है कोई परेशानी हो तो कंट्रोल रूम पर सूचित किया जा सकता है, आप शांति समिति के सदस्य हैं, लोगों को बताएं समझाएं कोई दिक्कत है तो मुझे और कलेक्टर साब को कॉल कर सकते हैं हम सभी आने वाले त्योहार खुशी से हर्षोल्लास से मनायें, सौहार्द का माहौल रहा है, यह जिला सोहद्रपूर्ण जिला है।

खरगोन के भीकनगवा में नगरपरिषद क्षेत्र के बीचोंबीच स्थित करोड़ों की बेशकीमती नजूल भुमी का...

पियूश अग्रवाल । सिटी चीफ
खरगोन, भीकनगांव नगरपरिषद भीकनगांव सीमा क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 13 स्थित करोड़ों रूपए की बेशकीमती शासकीय नजूल मद की भूमि पर काबिज लोगों के पट्टों के नवीनीकरण की प्रक्रिया को नगर परिषद भीकनगांव द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से करने का मामला प्रकाश में आया है। नगर के समाजसेवी अरविंद जायसवाल ने बताया कि सूचना के अधिकार के तहत् प्राप्त जानकारी अनुसार नगर की उक्त नजूल मद की भुमि को धनाढ्य वर्ग के लोगों ने व्यावसायिक उपयोग हेतु 30 वर्ष के लिए नाममात्र के किराया शुल्क पर लीज पर ले रखी है पट्टा- धारियों ने नगरपरिषद से स्वीकृत नक्शा अनुसार निर्माण न करते हुए मनमाने ढंग से पक्का निर्माण कर पट्टा शर्तों में उल्लेखित शर्तों का न केवल उलंघन किया जा रहा है बल्कि उक्त भूमि का उपयोग आवासीय रूप में भी किया जा रहा है। करीब 2 वर्ष पहले नगरपरिषद तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाओ मुहिम के तहत् शासकीय भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए उक्त नजूल मद की भुमि से गरीब लोगों की गुमटियां हटवाकर कई गरीब परिवारों को बेदखल कर बेरोजगार तो कर ही दिया था जबकि उक्त भूमि पर वर्षों से काबिज छोटे मोटे व्यवसाय करने वाले लोगों से नगरपरिषद ने बाकायदा लीज अनुबंध तथा तय मासिक

किराया लिया जा रहा था।

शासकीय नजूल मद भुमि के पट्टे को नवीनीकरण की प्रक्रिया

मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) प्राधिकार भोपाल, गुरुवार, दिनांक 24 सितम्बर 2020-आस्विन 2, सक 1942 अनुसार राजस्व विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल के पत्र क्र. एफ. 6-75-2019- सात-श1.3 भोपाल, दिनांक 24 सितम्बर 2020 नजूल भूमि के प्रबंधन एवं निर्वतन से संबंधित वर्तमान में प्रभावशील परिपत्र तथा उनमें समय- समय पर किये गये संशोधन/परिवर्तन / परिवर्धन, संबंधी दिशा निर्देशों की अधिसूचना जारी की गयी है जिसमें निर्देशों की कण्डिका 148 को अधिकमित करते हुए राज्य सरकार द्वारा निम्नानुसार %राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड-चार कमांक 1 माध्यप्रदेश नजूल भूमि निर्वतन निर्देश, 2020% जारी किया है। नगरीय निकायों में स्थित नजूल मद की भुमियों के संबंध में प्रकाशित अधिसूचना अनुसार शासकीय नजूल मद की भूमि पर काबिज भुमि के स्थायी पट्टे के नवीनीकरण एवं शर्त उल्लंघन के शमन के लिए कलेक्टर या उनके द्वारा प्राधिकृत अपर कलेक्टर को सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है तथा स्थायी पट्टे का नवीनीकरण कराने के लिए पट्टेदार के स्थायी पट्टे की अवधि के अवसान वर्ष की दिनांक 01 अप्रैल से अवसान दिनांक तक की अवधि के दौरान कभी भी पट्टे के नवीनीकरण के लिये सक्षम प्राधिकारी कलेक्टर या अपर कलेक्टर को आवेदन करना अनिवार्य किया गया है। लेकिन नगरपरिषद भीकनगांव के नजूल भूमि के पट्टा नवीनीकरण के एक प्रकरण में वर्ष 2022 मे तत्कालीन नगर परिषद के तत्कालीन सभापति तथा राजस्व विभाग में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारीयों ने शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के विपरित शासकीय नजूल भूमि के पट्टे का नवीनीकरण करने की सारी प्रक्रिया जैसे आवेदन, नक्शा, आदि आवेदक से स्वयं ही लेकर बाकायदा संकल्प पारित कर मासिक किराया निर्धारित कर पट्टेधारी से आगामी 30 वर्षों के लिए 2052

तक रजिस्टर्ड अनुबंध कर दिया गया है। खास बात यह है कि नगरीय निकाय चुनाव 2022 की अधिसूचना जारी होने की तिथि 05, सितंबर 2022 के ठीक 5 दिन पहले दिनांक 30.08.2022 को आवेदक राजेश जैन तथा नपा के सहायक राजस्व निरीक्षक मयंक जैन ने वार्ड क्रमांक 13 में स्थित नजूल मद की भूमि के व्यावसायिक उपयोग के पट्टे को आवासीय मद में परिवर्तन कर रजिस्टर्ड अनुबंध कर दिया गया। पट्टा नवीनीकरण की नियम विरुद्ध की गयी इस संपूर्ण कार्यवाही संबंधी प्रकरण की लिखित शिकायत समाजसेवी अरविंद जायसवाल तथा नगरपरिषद के पार्षदगणों ने स्थानीय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के समक्ष कर विधिसंगत कार्यवाही करने की मांग की है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्वानों का आतंक

आवारा श्वानो ने नील गाय को बनाया शिकार, गौ रक्षकों ने किया उपचार

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ
शाजापुर, आवारा श्वानों की वजह से केवल शहरी क्षेत्र के ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात खराब हैं। जहां न अन्य जानवर सुरक्षित है और न ही ग्रामीण। बीती रात भी कुछ श्वानों ने ग्राम जाई हेड़ा में एक नील गाय पर हमला कर उसे घायल कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची गौरक्षकों की टीम ने गांव पहुंचकर घायल नीलगाय का उपचार किया। शाजापुर शहर से 5 किलोमीटर दूर ग्राम जाईहेडा में एक नीलगाय को आवारा श्वानों ने शिकार बनाया। जिसकी सूचना मिलने पर गौ रक्षा सेना गो सेवा समिति के सदस्यों द्वारा तुरंत मौके पर पहुंचे तब तक ग्रामीणों ने नीलगाय को पकड़ कर बांध लिया था लेकिन उसकी स्थिति गंभीर होने के कारण नीलगाय को को उपचार केंद्र कांजी हाउस लाया गया। जहां नीलगाय का उचित उपचार गौ रक्षा सेना गौसेवा समिति के सदस्यों द्वारा किया गया। श्वानो ने नील गाय को कई जगह नोच डाला था। जिस कारण गाय को 14 टाके जांघों पर पांच टाके पैरों के ऊपर लगे।

बाईक पर लाकर किया उपचार
केवल जाईहेड़ा ही नहीं बल्कि ग्राम तालाब डेरा में भी एक गाय को आवारा श्वानो ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इसकी सूचना जब गौरक्षा सेना को लगी तो वे तुरंत गांव पहुंचे, लेकिन यहां एम्बुलेंस न होने के कारण गौरक्षक गाय को अपनी बाईक पर लेकर कांजी हाउस पहुंचे और उसका उपचार किया गया।

बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा बनाए आकर्षक मॉडल

सहज पेटल्स में हुआ विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, किसी ने ऊंची बिल्डिंगों को मजबूत बनाने के लिए अपनी वैज्ञानिक सोच का परिचय दिया तो किसी ने किसानों के लिए बेहतर उत्पादन के उपाय बताए। तो किसी ने प्रदूषण रोकने के लिए विज्ञान के चमत्कार से परिचय कराया। यह नजारा था सब्जी मंडी स्थित सहज पेटल्स का, जहां नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट तैयार किए।

इसके पूर्व विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ डायरेक्टर आशा जैन, अंकुर जैन, पूर्वी जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच का परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा से सभी को अचंभित कर दिया। जिन्हें देख अतिथियों ने भी इनकी प्रशंसा की। क्योंकि बच्चों ने जो भी मॉडल तैयार किए थे वो

उनकी दूरगामी सोच को बता रहे थे। जिसमें से बेहतरीन प्रोजेक्ट का चयन करना भी अतिथियों के लिए मुश्किल हो गया। इसके बाद अतिथियों ने सबसे अच्छे प्रोजेक्ट का चयन कर इसे बनाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऐसे आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी और इसे निरंतर जारी रखने की अपील की।

बच्चों ने दिखाया अपना विज्ञान कौशल
सहज पेटल्स में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी की खास बात यह थी कि इसमें भाग लेने वाले बच्चे केवल 3 से 5 साल के थे जिनकी प्रतिभा देखते ही बनती थी। जिन्होंने सड़क पर ट्रैफिक नियंत्रण करने से लेकर बेहतर जानकारी अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से दी। इस दौरान अतिथियों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब भी बच्चों ने दिए।

गर्मी में बारिश ने कराया ठंडक का एहसास

हल्की बारिश व ठंडी हवाओं से मिली गर्मी से राहत, 12 से 16 के बीच फिर बारिश की संभावना

भगवान दास बैरागी .. सिटी चीफ शाजापुर, पिछले दिनों गर्मी से झुलस रहे शहरवासियों को अचानक मौसम बदलने से हुई बारिश ने राहत प्रदान की। हालांकि बारिश तो ज्यादा नहीं हुई, लेकिन ठंडी हवाएं चलने से गर्मी से राहत जरूर मिली। मौसम विभाग के अनुसार कुछ दिन मौसम के यही हाल बने रहेंगे। वहीं 12 से 16 अप्रैल के दौरान एक बार फिर बारिश की संभावना बन रही है।

पिछले कुछ दिनों से आसमान पर बादल छा रहे थे। रविवार को भी मौसम के यही हाल थे और आसमान बादलों से ढंका हुआ था। तो हल्की धूप भी खिली हुई थी। देखते ही देखते बूंदाबांदी शुरू हो गई। हालांकि बारिश कुछ देर बाद थम गई लेकिन इसके बाद ठंडी हवाओं ने डेरा डाल लिया, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई और लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 34.9 व न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि एक दिन पहले न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री था। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों तक मौसम के यही हाल बने रहेंगे। इसके बाद तापमान में तेजी आएगी।

12 से 16 के बीच हो सकती है बारिश मौसम विशेषज्ञ धनोतिया ने बताया कि आगामी दिनों में बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि रविवार के बाद अब 12 से 16 के बीच बारिश हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस दौरान जिले में कहीं हल्की तो कहीं सामान्य वर्षा हो सकती है।

चारों सेनाओं ने किया पनडुब्बी-रोधी युद्ध प्रशिक्षण, चीनी आक्रामकता के खिलाफ सैन्याभ्यास

यूएस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और फिलीपीन ने चीन को दिखाई ताकत

मनीला। चीन की आक्रामकता को देखते हुए अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपीन ने दक्षिण चीन सागर में पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रशिक्षण फैसला किया है। इसके तहत रविवार को क्षेत्र में सभी देश अपना पहला साझा नौसैन्य अभ्यास आयोजित करने जा रहे हैं। यह अभ्यास चीन के क्षेत्रीय दावों पर जोर देने की आक्रामक कार्रवाईयों से पैदा चिंताओं के बीच हो रहा है।

एक साझा बयान में कहा कि चारों संधि सहयोगी देश और सुरक्षा साझेदार हिंद-प्रशांत क्षेत्र की नींव है और नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए यह अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने साझा बयान में चीन का नाम नहीं लिया लेकिन चारों देशों ने अपने रुख की पुष्टि की कि 2016 का अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसला, जिसने ऐतिहासिक आधार पर चीन के व्यापक दावों को अमान्य कर दिया था, अंतिम और कानूनी रूप से बाध्यकारी है। जबकि चीन ने मध्यस्थता में भाग लेने से इन्कार करते हुए इस फैसले को खारिज कर दिया है और लगातार इसकी अव्हेलना कर रहा है।

फिलीपीनी समुद्र में हमले

फिलीपीन ने शनिवार को कहा कि सैन्याभ्यास से ठीक पहले चीन के दो तटरक्षक जहाजों ने दक्षिण चीन सागर में मनीला के विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर हमले किए। फिलीपीनी प्रवक्ता जे तारिएला ने बताया कि इरोक्वाइस रीफ में तटरक्षक जहाज ने अपनी पानी के तोपों को तैनात करने के साथ फिलिपिन के मछुआरों को पहले धमकाया और फिर उनकी नौकाओं पर पानी की तेज बौछारें छोड़कर हमले किए।

राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान जरूरी

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा, राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए सम्मान और सहमति जरूरी है। यह हमारे क्षेत्र की स्थिरता को रेखांकित करते हैं। बता दें, तनावपूर्ण समुद्री गतिरोध के बाद फिलीपीन 2013 में चीन से अपने विवादों को वैश्विक मध्यस्थता में ले आया, जिस पर चीन आपत्ति जताता रहा है।

अंतरराष्ट्रीय कानून की प्रतिबद्धता आवश्यक

जापान ने मनीला में अपने दूतावास में कहा कि वह दक्षिण चीन सागर अभ्यास के लिए अपने विध्वंसक जेएस अकेबोनो को तैनात करेगा, जिसमें पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रशिक्षण और अन्य सैन्य युद्धाभ्यास शामिल होंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने एक अलग बयान में कहा कि अभ्यास अंतरराष्ट्रीय कानून को सुनिश्चित करने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता का हिस्सा है। फिलीपीन के जल क्षेत्र में चीन के जहाज लगातार आक्रामकता दिखाते रहे हैं।

सरकार की नीतियों को लेकर विरोध प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

हंगरी के पीएम ओर्बान के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

बुडापेस्ट। हंगरी के बुडापेस्ट शहर में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे, भीड़ का यह जमावड़ा प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान के प्रशासन के खिलाफ था। शनिवार को विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सरकारी के पूर्व सहयोगी पीटर मग्यार ने किया। अप्रभावी राजनीतिक विरोध से निराश रूढ़िवादी और उदार हंगेरियाई लोगों को एक साथ लाने के उद्देश्य से पीटर मग्यार ने विशाल चौराहे पर मौजूद लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीटर मग्यार ने कहा कि कदम दर कदम हम अपनी मातृभूमि वापस ले रहे हैं। एक नया देश, एक संप्रभु, आधुनिक और यूरोपीय हंगरी का निर्माण कर रहे हैं। इस दौरान भीड़ ने ह्यओर्बान इस्तीफा दो और हम डरे हुए नहीं हैह्ल के जमकर नारे लगाएं। इस दौरान कई लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज हाथ में लिए हुए थे। फरवरी माह में मग्यार सरकार के करीबी बन गए और इस दौरान ओर्बान के प्रशासन के आंतरिक कामकाज के बारे में विवादास्पद टिप्पणी की। जिसके बाद से वो ओर्बान प्रशासन के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

जनवरी 2023 की अपने पूर्व पत्नी वर्गा से की गई बातचीत की रिकॉर्डिंग को उन्होंने मार्च में पोस्ट की। जिसमें बताया कि कैसे ओर्बान के कैबिनेट प्रमुख एंटल रोगन के सहयोगियों ने न्याय मंत्रालय के पूर्व राज्य सचिव पाल वोल्नर से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में अभियोजन फाइलों के साथ छेड़छाड़ करने का कोशिश की। एक मीडिया रिपोर्ट में मुताबिक, वर्गा कहती है कि उन्होंने अभियोजकों को सुझाव दिया कि क्या हटाया जाना चाहिए। ओर्बान के राजनीतिक चुनौती बनकर उभरे पीटर मग्यार वर्गा के साथ मग्यार के तलाक और कई राज्य फर्मों में उनकी नौकरियां छूट जाने के कारण हंगरी की सरकार ने उन्हें एक अवसरवादी के तौर पर प्रचारित किया। हालांकि, जून में यूरोपीय विधायी चुनावों से पहले मग्यार की बढ़ती लोकप्रियता ओर्बान के लिए एक राजनीतिक चुनौती बनती जा रही है। गौरतलब है कि फरवरी माह में एक दुष्कर्म कांड भी सामने आया था, जिसमें प्रधानमंत्री के दो मुख्य राजनीतिक समर्थकों, वर्गा और पूर्व राष्ट्रपति को पद से हटा दिया गया था।

सिंगल कॉलम

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बस पलटी, चार लोगों की मौत, 30 घायल

बेंगलुरु। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में रविवार सुबह एक बस पलटने से चार लोगों की मौत हो गई। बताया गया है कि यह प्राइवेट बस बेंगलुरु से गोकर्ण की तरफ जा रही थी। रास्ते में होलालकेरे में सुबह यह अचानक ही पलट गई। पुलिस का कहना है कि घटना होलाकेरे के बाहरी क्षेत्र में अंजनेय मंदिर के करीब हुई। दुर्घटना में करीब 30 लोग घायल हुए हैं। इनमें से आठ की हालत नाजुक बनी हुई है। घायलों को होलाकेरे तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मृतकों के शवों को शवगृह में रखा गया है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने भी शिकायत की है। इनका कहना है कि अवैज्ञानिक तरीके से बनाए गए सड़क के हिस्से पर दुर्घटनाएं काफी ज्यादा हो रही हैं।

रिश्वत लेने के आरोप में ईपीएफओ के दो कर्मी गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के दो कर्मचारियों को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, रविकुमार तुकाराम तेलवाडे और सहायक निदेशक, धीरेंद्र सतेंद्र मिश्रा ने शिकायतकर्ता से मामला रफा-दफा करने के लिए दो लाख रुपये की मांग थी।

एक अधिकारी ने बताया, शिकायतकर्ता कार धोने का कारोबार करता था, लेकिन उसने इसके बंद होने के बारे में ईपीएफओ को सूचित नहीं किया और अपने कर्मचारियों का पीएफ योगदान भी ईपीएफओ के पास जमा नहीं किया। इस बीच ईपीएफओ ने शिकायतकर्ता को अपने कर्मचारियों से कटौती के लिए 7,69,104 रुपये की वसूली और राशि पर जुमार्ने का नोटिस भेजा। मामले को खत्म करने के लिए आरोपी एक लाख रुपये मांग रहे थे। इसके बाद शिकायतकर्ता ने एजेंसी को सूचित किया और जाल बिछाकर आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

फोटो..माकपा

आयकर विभाग ने माकपा का खाता फ्रीज किया, जमा हैं 4.8 करोड़

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के त्रिशूर जिला कमेटी का बैंक खाता फ्रीज कर दिया है। कार्रवाई इसलिए की गई है, क्योंकि वार्षिक आयकर रिटर्न में इस खाते की जानकारी नहीं दी गई थी। आयकर विभाग ने शुक्रवार को त्रिशूर स्थित बैंक की शाखा में जाकर पार्टी के खाता से जुड़े लेनदेन की जांच की थी। यह खाता 1998 में खोला गया था और इसमें 4.8 करोड़ रुपये जमा हैं। आयकर विभाग ने माकपा नेतृत्व को आयकर भुगतान के दस्तावेज जमा कराने के बाद खाते से पाबंदी हटाने की सूचना दी है। इस बीच पार्टी ने कहा है कि उसके बैंक खाते में कोई बेहिसाबी धन नहीं है। पार्टी ने कहा कि उसने पूरी पारदर्शिता रखी है और निर्वाचन आयोग को बैंक खाते, जमा धन और लेनदेन की जानकारी पहले ही दे दी है।

करोड़ों की घड़ियों की तस्करी का आरोप

चेन्नई कस्टम का तेलंगाना के मंत्री के बेटे को समन

नई दिल्ली। चेन्नई कस्टम ने तेलंगाना के मंत्री के बेटे पोंगुलेटी हर्षा रेड्डी को समन जारी किया है। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, उनपर कई करोड़ों की घड़ियों की तस्करी में शामिल होने का आरोप है। रेड्डी को चार अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने बताया कि वह फिलहाल डेंगु के बुखार से पीड़ित है, जिस वजह से पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हो पाएंगे। हालांकि, वह 27 अप्रैल के बाद विभाग के समक्ष उपस्थित होने के लिए सहमत हुए हैं। मीडिया से बात करते हुए रेड्डी ने बताया कि उनका इस केस से कोई लेना-देना नहीं है। तेलंगाना के राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के बेटे ने कहा, ह्लयह मामला आधारहीन है। मेरी तबीयत फिलहाल ठीक नहीं है। 28 मार्च को हैदराबाद में एक परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी को समन भेजा गया था। बता दें कि इस कंपनी के निदेशक हर्षा रेड्डी है। पांच फरवरी को तस्करी का मामला दर्ज किया गया था, जब हांगकांग स्थित भारतीय मुहम्मद फहरदीन मुबीन के पास से चेन्नई में दो लक्जरी घड़ियां (पाटेक फिलिप 5740 और ब्रेगुएट 2759) जब्त की गई थी। घड़ियों की असली कीमत 1.73 करोड़ रुपये है। पाटेक फिलिक का भारत में कोई डीलर नहीं है, जबकि भारतीय मार्केट में ब्रेगुएट का स्टॉक खत्म हो गया है।

ममता ने केंद्रीय एजेंसियों पर फिर लगाया टीएमसी नेताओं को धमकाने का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियां तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से कह रही हैं कि वे या तो भाजपा में शामिल हों या कार्रवाई का सामना करें। बनर्जी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां भाजपा की शाखाओं की तरह काम कर रही हैं। पुरुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को परेशान करने के लिए एनआईए, ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

चुनाव मौसम में चंद्रबाबू नायडू का शराब पर दांव

शराब की गुणवत्ता सुधारेंगे कम करेंगे दाम

अमरावती। लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए तमाम राजनीतिक दल रैलियां कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव ने राजनीतिक दलों की दिल की धड़कनों को बढ़ा दिया है। राजनीतिक दल लगातार चुनाव को लेकर घोषणाएं कर रहे है। आंध्र प्रदेश की टीडीपी द्वारा किया गया अजीबोगरीब चुनावी वादा चर्चा का विषय बन गया है।

शराब प्रेमियों के लिए टीडीपी का वादा तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने वादा किया कि हमारे सत्ता में आते ही हम कम कीमतों पर बेहतर गुणवत्ता वाली शराब मुहैया कराएंगे, जिसके बाद से शराब प्रेमियों में खुशी की लहर है। गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश में 13 मई को एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव होंगे। जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार को आड़े हाथ लेते हुए तेलुगु देशम पार्टी ने शराब की ऊंची कीमतें निर्धारित करने का आरोप लगाया है, साथ ही कहा कि शराब की गुणवत्ता में गिरावट दर्ज की गई है। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायूड ने चुनावी अभियान के दौरान कहा कि राज्य सरकार खराब गुणवत्ता वाली शराब की आपूर्ति कर रही है। जबकि बढ़ी हुई कीमतों से निजी मुनाफा कमाया जा रहा है।

ईद से पहले अशांत क्षेत्र कैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में दहशत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र कैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में पिछले दो दिनों में हुई आतंकवादी घटनाओं में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी समेत छह सुरक्षाकर्मी मारे गए। इस हमले में 12 आतंकवादियों की भी मौत हुई है। पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि बलूचिस्तान प्रांत में चार आतंकवादियों को मार गिराया गया है। उन्होंने आगे कहा कि खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले में कुलाची तहसील के कोट सुल्तान इलाके में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए अभियान के तहत आठ आंतवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मारवात में शुक्रवार की रात आतंकवादी हमलों में एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और दो पुलिसकर्मी मारे गए। इस दौरान एक कांस्टेबल भी घायल हो गया। अधिकारियों ने कहा कि डीएसपी ने ईद उल फितर के त्योहार से पहले सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिसकर्मियों के साथ पेशावर-कराची राजमार्ग पर एक अस्थाई चौकी स्थापित की थी। मीडिया के अनुसार, जब पुलिसकर्मी इस चौकी से गुजर रहे थे, तब आतंकवादियों ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने पुलिस के वाहनों पर गोलीबारी भी की, जिसमें डीएसपी और कांस्टेबल नसीम गुल की मौत हो गई। वहीं, शुक्रवार की रात सरा दरगा इलाके में अज्ञात हमलावरों ने कांस्टेबल सनामत खान पर गोलीबारी की, जिससे उसकी मौत हो गई थी। शनिवार को बाजौर जिले की मामुंड तहसील में विस्फोट होने से एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य इसमें घायल हो गया। इसके अलावा शनिवार की रात टैंक जिले में मियां लाल पुलिस चौकी के निकट अज्ञात लोगों ने एक हेड कांस्टेबल की बी हत्या कर दी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लक्की मारवत में पुलिसकर्मियों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569